हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 7 जुलाई 2024

9 ग्रामीणों ने रोष जता निर्माण कार्य बंद करवाने की ...

10 हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफेशनल्स संघ ने ...

खबर संक्षेप

श्रीश्याम गुणगान महोत्सव का आयोजन आज

भिवानी। कल 7 जुलाई रविवार को श्रीश्याम गुणगान मंडल द्वारा राधा स्वामी सत्संग में 22वां श्रीश्याम गुणगान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर परमसंत हजूर कंवर साहेब महाराज व महंत चरणदास महाराज पधारेंगे। मंडल के प्रधान आत्मप्रकाश मेहता ने बताया कि श्रीश्याम गुणगान महोत्सव का कार्यक्रम सात जुलाई को शाम 4:15 बजे से प्रभु इच्छा तक चलेगा। इस अवसर पर आमंत्रित भजन गायक भजन सम्राट कन्हैया मित्तल चंडीगढ़ वाले, भजन प्रवाहक मोना महता फतेहाबाद, श्याम सेवक प्रवीण बसिया अपने भजनों के माध्यम से बाबाश्याम का गुणगान करेंगे। ।

रक्तदान एवं एनीमिया जांच शिविर 10 को

चरखी दादरी। भारत विकास परिषद स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 10 जुलाई बुधवार को विशाल रक्तदान एवं एनीमिया जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। ये आयोजन भाविप शाखा चरखी दादरी व माधव शाखा चरखी दादरी के संयुक्त तत्वावधान में अग्रवाल धर्मार्थ चिकित्सालय गीता भवन में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक लगाया जाएगा। इसके साथ ही एनीमिया जांच शिविर भी लगाया जाएगा। परिषद् शाखा चरखी दादरी के सचिव हरीश गर्ग ने बताया कि शिविर में सिविल हॉस्पिटल चरखी दादरी की टीम द्वारा एनीमिया की जांच की जाएगी। शिविर की अध्यक्षता प्रांतीय वित्त सचिव राजेश गुप्ता करेंगे। शिविर में शिविर में बतौर अतिथि डिप्टी सीएमओ आशीष मान शिरकत करेंगे।

भिवानी। खाली प्लाटों में जमा पानी को देखते सीएमओ, जमा पानी में काला तेल डालते स्वास्थ्य विभाग की टीम और खाली प्लाटों में जमा पानी में दवाई डालते हुए। फोटो : हरिभूमि

डेंगू के खात्मे के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कस ली कमर

- जनस्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के डंक से बचाने के लिए शनिवार को शहर की पॉश कॉलोनियों में अभियान चलाया

मच्छर का लारवा मिलने पर 13 लोगों को नोटिस, 38 प्वाइंटों पर डाला काला तेल

हरिभूमि न्यूज भिवानी

पहली बार बारिश का सीजन शुरू होते ही स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के डंक से बचाने के लिए शनिवार को शहर की पॉश कॉलोनियों में अभियान चलाया।

सेक्टर 13 व 23 में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 3320 घरों की जांच की और लोगों को पानी के ठहराव न होने देने की कही। जांच पड़ताल में 13 घरों में मच्छरों का लारवा मिला। जिस पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए सभी उक्त लोगों को नोटिस जारी किए है। इस दौरान विभाग की टीम ने 38 जगहों को चिंहित करके वहां पर काला तेल व टेमफोस दवाई का छिड़काव किया। इस दौरान विभाग की सभी टीमें मौके पर मौजूद रही।

सीएमओ डॉ. रघुबी सिंह शांडिल्य की अगुवाई में विभाग की टीम सेक्टर 13 व 23 में पहुंची। टीम ने दोनों सेक्टरों में खाली प्लाटों को चिंहित किया और वहां पर जमा पानी में काला तेल व टेमफोस दवाई का छिड़काव किया। चूंकि इन दोनों चीजों के छिड़काव के बाद पानी के उपर एक परत बन जाती है और परत के नीचे मच्छर का लारवा होता है। वह सांस नहीं ले पाता। जिसकी वजह से लारवा पनप नहीं पाता। अगर मच्छर इन पर बैठ जाए तो दवाई मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाती है जिसके चलते मच्छर भी मर जाता है। ऐसे में सभी प्रकार के मच्छरों को बढ़ने से रोकना संभव है। स्वास्थ्य विभाग की टीम में ज्योति कुमारी महामारी विशेषज्ञ,बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता सुरजीत, श्यामसुंदर, सुनील, कुलदीप नगला, सुनील कुमार वर्मा, नरेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार,महावीर, विजय कुमार, विनोद कुमार, देवेंद्र कुमार,परमजीत,सौरभ कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता वह सभी ब्रीडिंग चैकर उपस्थित थे ।

13 लोगों को दिए नोटिस

स्वास्थ्य विभाग ने पूरे दिन दोनों सेक्टरों में अभियान चलाया। यहां पर घरों में पड़े कबाड़, पुराने टायर, टयूब, कूलर, एसी व फ्रीज की ट्रे में जमा पानी निकलवाया। पानी के होद की जांच की। उनमें मच्छरों के लारवा व अंडे देखे। अभियान के दौरान टीम को 13 घरों में मच्छरों का लारवा मिला। जिस पर टीम ने उक्त लोगों को नोटिस जारी किए है। साथ ही उनको चेतावनी दी कि अगर भविष्य में फिर से इस तरह पानी जमा और उसमें लारवा मिला तो कार्रवाई होना लाजिमी है। चूंकि इस तरह से मच्छर पैदा हो जाते है और उसके बाद डेंगू, मलेरिया फैलाने वाला मच्छरों की भरमार हो जाती है। टीम ने वहां पर लोगों को पम्पलेट देकर मच्छरों के काटने से बचने व मच्छरों को न पनपने देने वाले नियम व जानकारी दी।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 3320 घरों में की जांच

उपसिविल सर्जन वीबीडी डॉ. राकेश खटक ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने आज 3320 घरों का दौरा किया जिसमें 13 लोगों को नोटिस दिए तथा 38 पानी ठहरे हुए स्थान पर काला तेल और टेल मी फोर्स दवा का छिड़काव किया गया । यह जागरूकता अभियान भिवानी शहर के सभी एरिया में अक्टूबर माह तक चलाया जाएगा । उन्होने बताया कि जिले में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की 164 टीमें जिले के 31 स्वास्थ्य निरीक्षकों के नेतृत्व में कार्य कर रही हैं जिसमें 148 टीमें भिवानी जिले के विभिन्न गांव के लिए तथा 16 टीमें भिवानी शहर में घर घर जाकर सर्वे कर रही हैं ।आमजन को मच्छर जनित बीमारियां मलेरिया डेंगू चिकनगुनिया तथा दूषित पानी से होने वाली पानी जनित बीमारियां पीलिया, हैजा ,उल्टी, दस्त आदि के बारे में जागरूक कर रही हैं।

बड़ी मात्रा में मिला लारवा व प्यूपा

सिविल सर्जन डॉ रघुबीर शांडिल्य ने बताया कि आज स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा सैक्टर 13 व सैक्टर 23 के एरिया में मच्छर जनित बीमारियांए पानी जनित बीमारियां के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाकर जागरूक किया स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने विभिन्न जगहों पर खुले में रखा सामान जैसे पुराना कबाड़, गमले, फ्रिज के पीछे वाली ट्रे, छत पर पड़ा कबाड़, प्लास्टिक की बोतले, पुराने टायर आदि में मच्छर का लारवा,अंडा तथा प्यूपा 13 जगहों पर बड़ी मात्रा में मिला।

एचएसएससी भर्ती में बाहर के युवाओं को आवेदन की छूट का नीमा ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज भिवानी

- नियमित भर्ती की बाट जोह रहे आयुर्वेद चिकित्सकों के भविष्य पर कुठाराघात

15 साल से भी अधिक समय से स्थायी रोजगार की बाट जौह रहे हरियाणा के आयुर्वेदिक चिकित्सकों के भविष्य पर प्रदेश सरकार ने फिर से कुठाराघात करने का काम किया है, जिसके चलते उनके भारी रोष है।

दरअसल हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 21 जून को हरियाणा में आयुर्वेदिक चिकित्सकों की नियमित भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे, जिसके बाद सरकार ने 5 जुलाई को उस आवेदन पत्र में संशोधन कर हरियाणा से बाहर के युवाओं को भी भर्ती के लिए योग्य करार दे दिया, जिसका नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) ने कड़ा ऐतराज जताते हुए सरकार से फैसले को तुंरत प्रभाव से वापस लेने की मांग की। नीमा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. आरबी गोयल ने प्रदेश सरकार के नाम मांगपत्र भेजा और कहा कि हरियाणा में 15 हजार बेरोजगार हैं जो आयुर्वेद में स्नातक की डिग्री होने के बावजूद लंबे अरसे से नियमित भर्ती का इंतजार कर रहे थे। सरकार ने भर्ती निकालने के साथ-साथ बाहरी युवाओं को छूट देकर प्रदेश के आयुर्वेद चिकित्सकों से उनका का हक छीनने का काम किया है।

रोड पर ब्रेकर न होने से आए दिन हो रहे हादसे

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के हांसी.भिवानी बिचला मार्ग पर ब्रेकर न होने से आए दिन एक्सीडेंट होते हुए देखे जाते हैं। जहां एक तरफ डिवाइडर पर लंबी लंबी ग्रील लगाई गइ है और वाहन क्रॉस स करते समय कुछ दिखाई नहीं देता तो दूसरी तरफ वाहन तेज गति से आने व ब्रेकर न होने से हर समय एक्सीडेंट का भय बना रहता है।

शनिवार को भी हल्की फुल्की बारिश के मध्य में दो मोटरसाइकिल टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विभाग ने इस मार्ग में कुछ स्थानों पर ब्रेकर बनाए हैं लेकिन जहां अधिक जरूरत है ऐसे कुछ स्थान छोड़ दिए गए हैं। कस्बावासियों ने आदर्श मैडिकल के समीप, वीके फोटो स्टेट के सामने, दो निजी अस्पतालों के सामने ब्रेकर बनवाने की अपील की ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

हादसे में युवक की मौत, लोगों ने लगाया जाम

हरिभूमि न्यूज भिवानी

- भिवानी-जींद मार्ग पर ब्रेकर बनाने की मांग, प्रशासन ने ग्रामीणों की मांग पर ब्रेकर बनाने किए शुरू

गांव तिगड़ाना में सड़क हादसे में युवक की मौत होने पर ग्रामीणों ने शनिवार को भिवानी-जींद मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम के कारण इस मार्ग पर वाहनों की लंबीर कतार लग गई। जाम की वजह से यातायात बाधित रहा। ग्रामीणों ने इस मार्ग ब्रेकर बनाने की मांग की।

बीएंडआर अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ब्रेकर बनाए तो उसके बाद जाम खोला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मृतक के चाचा के ब्यान पर नामजद गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव तिगड़ाना निवासी सतपाल ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि मेरा भतीजा 21 वर्षीय सौरभ शनिवार को बाइक पर सवार होकर घर से खेत जा जा रहा था। जब वह सड़क पर पहुंचा तो धनाना की तरफ से तेज गति व लापरवाही से चली आ रही बोलेनो गाड़ी ने पीछे से बाइक को टक्कर दे मारी। बोलेनो की टक्कर लगने से मेरा भतीजा बाइक सहित सड़क पर जा गिरा। उसे उपचार के लिए सामान्य अस्पताल पहुंचाया।

वहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीजीआई रोहतक रैफर कर दिया। हम उसे उपचार के लिए हिसार ले गए। वहां पर उपचार के दौरान सौरभ की मौत हो गई।

गांव कुडल में व्यक्ति से 4.3 मिलीग्राम हेरोइन बरामद

भिवानी। डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू के इंचार्ज उप निरीक्षक सुमित कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी बस अड्डा कुडलबास मौजूद थे। जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि व्यक्ति बस अड्डा कुडल पर खड़ा है जिसके पास मादक पदार्थ हेरोइन है पुलिस टीम के द्वारा सूचना की महत्वता को देखते हुए बताए गए स्थान पर रेड करके एक व्यक्ति को मादक पदार्थ हेरोइन के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान महेश निवासी गांव कुडल जिला भिवानी के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर आरोपी से 4.3 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की गई है। आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है।

अखिल भारतीय मांग दिवस 15 जुलाई को पूरे देश में ब्लॉक स्तर पर मनाएंगे

भिवानी। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन जिला कमेटी की बैठक शनिवार को जिला कार्यालय में रामेशवर की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें जिला प्रधान रोहताश सिंह ने बताया कि किसानों की एमएसपी सी 2+50% फामूर्ले के अनुसार लागत से डेढ़ गुना दाम पर सरकारी खरीद करने का कानून बनाने, बिजली बिल 2023 रद करवाने व अन्य बकाया मांगों को पूरा करवाने के लिए 23 सितंबर तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली किसान महापड़ाव में जिले के सैंकड़ों किसान शामिल होंगे और 15 जुलाई को अखिल भारतीय मांग दिवस को पूरे देश में ब्लॉक स्तर पर मनाएंगे। इस मौके पर राजकुमार ढिनोदिया ने बताया कि कृषि बाजार तथा कृषि भूमि को प्राइवेट कंपनियों के हवाले करने वाले तीन काले कानून को रद करने की ऐतिहासिक जीत होने पर भी हम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी कानून) नहीं बनवा पाए हैं, मोदी सरकार इससे मुकर चुकी है। बिजली बिल 2023 के तहत बिजली को प्राइवेट कंपनियों को देने पर उतारू है। स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, इनसे बिजली इतनी महंगी कर दी जाएगी कि भूमिहीन ग्रामीण गरीबों तथा किसानों की पहुंच से बाहर हो जाएगी।

दूसरे चरण में गांवों में लगेंगी स्ट्रीट लाइटें: दलाल

हरिभूमि न्यूज लोहारू

- वित्त मंत्री ने बताया कि 15 गांव की फिरनियों में एलईडी लाइट लगाने के लिए सवा करोड़ खर्च होंगे।

प्रदेश के वित्त मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि हलके के प्रत्येक खंड में पांच-पांच गांव की फिरनियों को जगमग किया जाएगा। इन गांव की फिरनियों में एलइडी लाइट लगाकर चकाचक किया जाएगा। वित्त मंत्री ने बताया कि 15 गांव की फि रनियों में एलईडी लाइट लगाने के लिए सवा करोड़ खर्च होंगे।

एलइडी लाइटों से गांव की सुंदरता बढ़ेगी वहीं रात को चोरी व आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगेगा। वित्त मंत्री जेपी दलाल ने शनिवार को जारी प्रेस बयान में बताया कि लोहारू, सिवानी तथा बहल खंड के पांच पांच गांव की फिरनियों में लाइट लगाकर गांव की फिरनियो को रोशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोहारू खंड के गांव गोठड़ा, अलाउद्दीनपुर, झांझड़ा श्योराण, बारवास तथा बड़दु चैना की फिरनियों में 24 लाख रुपए की लागत से एलईडी लाइट लगवाई जायेंगी। उन्होंने बताया सिवानी खंड के गांव झुंपा कलांए गुढा, मीठी, कालोद तथा गरवा की फिरणियों में 32.22 लाख रुपए की लागत से एलईडी लाइट लगवाकर रोशन किया जाएगा। इसी प्रकार बहल खंड के गांव सिधनवा, सुरपुरा कला, शेरला, गोकुलपुरा तथा चैहड़ खुर्द गांव की फिरनियो में 54.12 लाख की लागत से एलईडी लाइट लगाकर रोशन किया जाएगा।

वित मंत्री जेपी दलाल ने बताया कि इससे पहले प्रथम चरण में लोहारू खंड में गांव सोहांसड़ा, सिंघानी, ढिगावा जाटान, कुड़ल तथा खरकड़ी की फिरनियों में एलईडी लाइट लगाई गई हैं। बहल ब्लॉक में बहल, मंढोली कलां, चैहड़ कलां, बिधनोई तथा पातवान गांव में लाइट लगाई गई हैं। सिवानी ब्लॉक में गांव बड़वा, गुरेरा, मंढोली खुर्द, विधवान तथा नलोई गांव में लाइट लगाई गई है।

लोहारू में उमस और बिजली के कटों ने किया परेशान

लोहारू। लगातार एक सप्ताह से आसमान में घने काले बादल तो छाए रहते हैं लेकिन बरसात नही होने के कारण वातावरण में उमस का माहौल लोगों को काफी परेशान कर रहा है। शनिवार को भी दोपहर बाद आसमान में घने बादल छाए लेकिन बरसात नही हुई। जिसके कारण उमस भरी गर्मी से लोगों को दो चार होना पड़ा।

यहीं नही रही सही कसर बिजली के लंबे लंबे कटों ने पूरी कर दी। बिजली के लंबे लंबे कटों के कारण गर्मी के इस मौसम में लोगों का काफी बुरा हाल रहा। सोशल मीडिया गुरप पर लोग बिजली को लेकर संदेश भेजते रहे और पूछते रहे कि कितनी देर में लाइट आएगी।

जलभराव को रोकने के लिए प्रशासन गंभीर, चलाया अभियान

नगर परिषद ने शहर में बने नालों की करवाई सफाई

हरिभूमि न्यूज चरखी दादरी

- स्वयं नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी सफाई कार्य पर निगरानी रख रहे हैं

बारिश के मौसम को देखते हुए नगर परिषद द्वारा इन दिनों शहर में विभिन्न स्थानों पर बने हुए बड़े नालों व अन्य जगहों पर विशेष सफाई अभियान चलाया। नगर के मुख्य जगहों पर बाजरों के निकट बने बड़े नालें की साफ सफाई लगातार की जा रही है व इसमें जमा कीचड़ व कूड़े कर्कट को निकाला जा रहा है, जिससे कि आगामी दिनों में बारिश के दौरान अधिक से अधिक पानी का निकासी हो सकें। स्वयं नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी इन सभी सफाई कार्यो की देखरेख की कामना संभाले हुए है। उन्होंने कहा कि वो रोजाना नगर के अलग अलग स्थानों पर होने वाले कामों का निरीक्षण कर अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक निर्देश दे रहे है व उनके परामर्श ले रहे है। इसके साथ ही नागरिकों के सुझाव भी वो लगातार ले रहे है। इसी कड़ी में उन्होंने रेस्ट हाउस के निकट बने बड़े नाले की सफाई व अन्य कामों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि नगर की सफाई व्यवस्था को बनाए रखने में हम सबका सहयोग आवश्यक है, इसलिए नागरिक इतना सहयोग अवश्य करें कि नाले, सीवरों, नालियों में ऐसा कूड़ा कर्कट न डालें जो उनके रुकने व जाम होने का कारण बनें। उन्होंने कहा कि जल जमावड़े की समस्या अधिक बढ़ जाए, बल्कि कूड़े का निस्तारण केवल नप के वाहनों में ही करें।

तीन गांव को नशा मुक्त गांव घोषित किया गया : एसपी

हरिभूमि न्यूज भिवानी

- गांव सैनीवास, ढाणी भाकरा व झुपा खुर्द के निवासियों ने नशा मुक्ति गांव की शपथ ली

डीएसपी आर्यन चौधरी के नेतृत्व में गांव सैनीवास, ढाणी भाकरा व झुपा खुर्द के ग्रामीण व गनमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर तीनों गांव को नशा मुक्त गांव घोषित करवाने में सफलता हासिल की है। तीनों गांव के ग्रामीणों ने पुलिस को आश्वासन दिया कि वह उनके गांव में किसी भी प्रकार का मादक पदार्थ बिकने व इसके प्रयोग पर पूर्णता पाबंदी रखेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि नशे के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान जारी है। इस अभियान में युवा बढ़.चढ़कर भाग ले रहे हैं जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हुए लगे हैं वहीं युवा शक्ति अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं तथा नशे से दूर रहकर शिक्षाए खेलकूद से जुड़कर अपनी कड़ी मेहनत के बलबूते पर अपने सपनों को साकार करें। नशा समाज के लिए गंभीर समस्या है। नशे की जड़ को मुलरूप से समाप्त करने के लिए समाज के सभी लोगों को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा तभी हम पूरी तरह से नशा मुक्ति एवं अपराध मुक्त समाज की स्थापना कर पाएंगे।

लगातार कुलाचें भर रहा शेयर बाजार, अब क्या करें निवेशक

एसआईपी का टारगेट पूरा हो गया है तो पैसा निकालने का सही समय

●

सेंसेक्स 80,000 के पार पहुंचा, निवेशकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

● एक्सपर्ट बोले, एसआईपी कर रहे हैं घबराएं नहीं, निवेश करते रहें● बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी निवेश बढ़ाएं ● मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशक लंबी अवधि का लक्ष्य बनाए ● इक्विटी में एसआईपी जारी रखें, अच्छा मुनाफा देकर जाएगा बाजार

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार अपने रिकॉर्ड हाई पर है। यह लगातार कुलाचें भर रहा है और नित नए रिकॉर्ड बना रहा है। निवेशक हर रोज लाखों रुपये कमा रहे हैं। लगातार बढ़ते बाजार के कारण 4 जुलाई को बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स ने पहली बार 80,000 का स्तर पार कर लिया। 12 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार तक पहुंचा था, यानी 7 महीनों से कम समय में इसने 10 हजार अंकों की तेजी दिखाई है। वहीं, 2 साल की बात करें तो सेंसेक्स 53 हजार से 27 हजार अंक बढ़कर 80 हजार के लेवल तक पहुंचा है। कोविड के समय की बात करें तो सेंसेक्स मार्च 2020 में 26,000 के लेवल पर था। तब से अब तक इसमें 54,000 अंकों की तेजी आ चुकी है। अब सवाल यह है कि इक्विटी में इतनी बड़ी रैली रैली आने के बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेशकों को क्या करना चाहिए। एसआईपी भुना लें या अभी भी जारी रखें। इस रिपोर्ट हम देंगे ऐसी ही जानकारी जो आपके निवेश की बढ़त बनाए रखेगी।

अवास्तविक नहीं बाजार की तेजी

बाजार के जानकारों का कहना है कि 4 साल पहले देखें तो मार्च 2020 में सेंसेक्स 26,000 के लेवल के आस पास था, जो अब करीब 54,000 अंक बढ़कर 80,000 के पार चला गया है। यह अवास्तविक लगता जरूर है, लेकिन यह सच भी है। यह निवेशकों को भरोसा दिलाता है कि इक्विटी बाजारों ने लंबे समय में अच्छा प्रदर्शन किया है, हमें निवेश करते समय और उसके बाद भी धैर्य और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशकों को लंबी अवधि का लक्ष्य बनाकर इक्विटी में एसआईपी जारी रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड स्ट्रैटेजीज, स्टॉक मार्केट में सीधे निवेश करने से अलग होती है। लंबी अवधि के निवेशक जिनके पास अच्छी तरह से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो हैं और एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं, उन्हें लंबी अवधि तक निवेश को बनाए रखना चाहिए। बंद नहीं करना चाहिए।

बाजार कमजोर हो तो यूनिट खरीदें

बाजार में यह रैली पहली बार नहीं है। रैली और फिर कंसोलिडेशन ये बाजार के नेचर में हैं। इसलिए बाजार भले ही 80,000 के पार चला गया है, आगे भी इसमें तेजी आती रहेगी। इसलिए एसआईपी कर रहे हैं तो बाजार की तेजी से घबराने की बजाय, एसआईपी में बने रहें, बल्कि बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी बाजार की गिरावट पर निवेश बढ़ा दें।

अगर गोल पूरे हो गए

अगर आपके फाइनेंशियल गोल पूरे हो गए हैं तो आप इक्विटी से अपना पैसा किसी ज्यादा सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट कर सकते हैं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि मान लिया आपने बच्चे के हायर एजुकेशन के लिए एसआईपी शुरू किया था। आपका लक्ष्य इसके जरिए 15 लाख जुटाने का था। अगर आपके एसआईपी की वैल्यू 15 लाख हो गई है या बिल्कुल इसके करीब है, तो आपको बाजार के इस वैल्युएशन पर अपना पैसा किसी सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट करने की सलाह दी जाती है। इससे लक्ष्य तक आपको एक भी पैसा नुकसान नहीं होगा। आप अपना पैसा एफडी या डेट विकल्पों में शिफ्ट कर सकते हैं। इससे आपके लक्ष्य पूरे हो जाएंगे और आपका निवेश भी सुरक्षित रहेगा।

पहली बार के निवेशकों के लिए

अगर आप बाजार में नए हैं तो आपको एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी पर चलना होगा, जहां इक्विटी, डेट और गोल्ड का सही रेश्यो हो। इक्विटी में एक्सपोजर चाहते हैं तो अभी के दौर में लार्जकैप और मल्टी कैप फंड बेहतर विकल्प हैं। एसेट अलोकेशन अपनी उम्र और जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर तय कर सकते हैं।

रिस्क क्षमता जांच लें

अगर 21 से 40 साल की उम्र है और रिस्क ले सकते हैं तो इक्विटी में 80 फीसदी और डेट में 20 फीसदी अलोकेट रख सकते हैं। उम्र अगर 40 से 55 साल है तो मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में आएंगे। ऐसे में आप इक्विटी और डेट में 60 और 40 फीसदी या 50 और 50 फीसदी रेश्यो तय कर सकते हैं। उम्र 55 साल से ज्यादा है यानी आप रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर कन्जर्वेटिव इन्वेस्टर हैं, तो इक्विटी और डेट में एक्सपोजर 40 फीसदी और 60 फीसदी होना चाहिए। इस तरह से निवेश करेंगे तो आपको नुकसान नहीं होगा। अगर इक्विटी नुकसान करेगी तो डेट इसकी भरपाई कर देगा। निवेश करते समय अच्छी रणनीति अपनाएंगे तो नुकसान से बचा जा सकता है। इसलिए सावधानी, धैर्य के साथ रणनीति बनाकर निवेश करें।

स्मॉल कैप में निवेश की क्या होगी सही रणनीति

- इस हाई रिटर्न-हाई रिस्क कैटेगरी में लगा रहे पैसा
- स्मॉल कैप को हाई रिस्क इनवेस्टमेंट माना जाता है
- जोखिम के बावजूद मोटा मुनाफा भी दे जाते हैं ये फंड
- निवेशक चाह कर भी नहीं करते नजरअंदाज
- धैर्य और लंबे समय के लिए निवेश से बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- स्मॉल कैप में निवेश के लिए सही रणनीति अपनाएं
- रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप फंड में बढ़िया पैसा देने की क्षमता है। इसलिए ये फंड हाई रिस्क के बावजूद निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। निवेशक इन फंडों में निवेश कर लगातार मालामाल हो रहे हैं। बाजार आधारित निवेश से मोटी कमाई करनी हो, तो ऊंचा रिटर्न देने वाले स्मॉल कैप शेयर या स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का जिक्र आ ही जाता है, लेकिन स्मॉल कैप के साथ हाई रिटर्न के साथ ही साथ हाई रिस्क भी जुड़ जाता है। यानी स्मॉल कैप शेयर या उनमें पैसे डालने वाले स्मॉल कैप फंड्स, निवेश पर मोटा मुनाफा तो दे सकते हैं, लेकिन उनके साथ ज्यादा जोखिम भी जुड़ा होता है। यही वजह है कि आमतौर पर छोटे निवेशकों को स्मॉल कैप से दूरी बनाए रखने या उनमें एक्सपोजर बेहद सीमित रखने की सलाह दी जाती है।

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब है अपने पैसों को ऐसी छोटी कंपनियों में लगाना, जिनमें आगे चलकर बेहतर रिटर्न देने की क्षमता हो। ये कंपनियां, आकार में छोटी होने के बावजूद, तेजी से बढ़ने की क्षमता रखती हैं। यही बात मुख्य रूप से स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड्स के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि स्मॉल कैप में निवेश के साथ एक बड़ा जोखिम भी जुड़ा रहता है, क्योंकि स्मॉल कैप इनवेस्टमेंट काफी अस्थिर माने जाते हैं। यही वजह है कि सिर्फ उन्हीं लोगों को इनमें निवेश की सलाह दी जाती है, जो बाजार में आने वाले भारी उतार-चढ़ाव को हैंडल कर सकते हैं।

असाधारण रिटर्न संभव

असाधारण रिटर्न मिलने की संभावना स्मॉल कैप में निवेश का मुख्य आकर्षण है। उन छोटी कंपनियों में निवेश करना जबरदस्त ढंग से फायदेमंद साबित हो सकता है, जिनके बिजनेस में आगे चलकर नई ऊंचाइयां छूने की संभावना हो। हालांकि इस दौरान उनमें काफी उतार-चढ़ाव भी आ सकते हैं, जिसे झेलना सबके लिए संभव नहीं हो सकता है, लेकिन जो लोग इसे बर्दाश्त करने की क्षमता रखते हैं, वे अच्छा-खासा मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

स्मॉल कैप में सफल निवेश की रणनीति

बाजार में निवेश से जुड़ा एक सच यह भी है कि जिन निवेशकों को मार्केट में पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाना है या मल्टीबैगर की तलाश है, वे स्मॉल कैप को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकते। स्मॉल कैप में निवेश करने वाले अगर सही रणनीति पर अमल करें तो रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। स्मॉल कैप में निवेश की स्ट्रैटजी को सफल बनाने के लिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें
रिस्क को कम करने के लिए अपने पैसों को कई स्मॉल कैप फंडों में बांटकर निवेश करें।

नियमित रूप से निवेश करें
बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के बीच कॉस्ट एवरेजिंग करने के लिए सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (**SIP**) के माध्यम से नियमित निवेश करें।

लॉन्ग टर्म नजरिये से निवेश
बाजार की अस्थिरता का मुकाबला करना है, तो आपको अपना इनवेस्टमेंट होराइजन 7 से 10 साल तक रखना चाहिए।

रिसर्च पर ध्यान दें
स्मॉल कैप में निवेश से मुनाफा कमाना है और मल्टी-बैगर स्टॉक्स की पहचान करनी है, तो आपको रिसर्च पर मेहनत करनी पड़ेगी। तभी आप सही समय पर ऐसी कंपनियों की पहचान कर पाएंगे, जो आगे चलकर मोटा मुनाफा देने की संभावना रखती हैं।

धैर्य बनाए रखें
लंबी अवधि में स्मॉल कैप में निवेश के जरिये मुनाफा कमाना है, तो बाजार में आने वाले शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव के बीच धैर्य बनाए रखना जरूरी है। तभी आप निवेश के सही मौकों का लाभ उठा पाएंगे।

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन
स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेश करना, भविष्य में बड़ा मुनाफा देने की संभावना रखने वाली छोटी कंपनियों में निवेश करने का एक सुरक्षित और अधिक व्यावहारिक तरीका हो सकता है। फंड मैनेजरों के पास अच्छे स्मॉल कैप स्टॉक चुनने और खराब या संदेहजनक मैनेजमेंट वाले स्टॉक से दूर रहने के लिए जरूरी विशेषज्ञता होती है। सही फंड चुनने के लिए फुल मार्केट साइकल के दौरान उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और फंड मैनेजर के अनुभव और रणनीति पर विचार करना भी जरूरी है।

फंड के साइज और लिक्विडिटी का महत्व
स्मॉल कैप फंड जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, फंड मैनेजरों के लिए अपने प्रदर्शन को बनाए रखना अधिक चुनौती भरा काम हो जाता है। कैपिटल का फ्लो बहुत बड़ा हो, तो फंड मैनेजर के लिए स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों की कीमतों पर असर डाले बिना उन्हें खरीदना और बेचना बेहद मुश्किल हो सकता है। इसलिए छोटे या मंझोले आकार के फंड में निवेश करने से ग्रोथ के बेहतर मौके मिल सकते हैं।

निवेश में सोना सबसे 'खरा' लोगों को बना रहा 'धनवान'

छह महीने में 8,400 रुपये तक महंगा हो गया गोल्ड, सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी दर्ज की गई है, चीन में मांग बढ़ने, दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के जमकर खरीदारी की, फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना से भी कीमत बढ़ी

जानकारी
विनोद कौशिक

कहा जाता है कि सोना सबसे सुरक्षित निवेश है। चाहे इसे आप किसी भी रूप में खरीदें। यह आपको कभी निराश नहीं करेगा। अक्सर निवेशकों खासकर महिलाओं के लिए तो यह और भी खास है। निवेश के मामले में सोना लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। पिछले छह महीने में तो सोने ने सबसे ज्यदा रिटर्न दिया है। इसके दाम 8,400 रुपये तक बढ़ गए हैं। इसलिए तो कहा जा रहा है कि सोना निवेश के मामले में सबसे 'खरा' उतरा है। इसका कोई तोड़ नहीं है। वहीं जानकारों का कहना है कि इस साल सोने के दाम 77000 से 80000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जाने की संभावना है। ऐसे में यह निवेश के लिए बेहतर विकल्प है। सोने ने कभी निवेशकों को धोखा नहीं दिया है। इसलिए आप भी इस पीली धातू में निवेश कर मोटा मुनाफा कमा सकते हैं।

सोने का निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन

साल की पहली छमाही खत्म हो चुकी है। इस दौरान सोने ने निफ्टी से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। सोने ने साल की पहली छमाही में 13.37% रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी में इस दौरान 10.5% तेजी आई है। रुपये के लिहाज से देखें तो इस दौरान एमसीएक्स गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट में करीब 8,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर देखें तो इस दौरान सेंसेक्स में 2,279 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई का सोना वायदा 74,777 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था और अब यह 71,800 करोड़ रुपये के आसपास मंडरा रहा है। मध्य पूर्व में तनाव, चीन में सोने की मांग में तेजी और फेड ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली।

सोने ने छह महीने में दिया 13.37% रिटर्न

पांच साल से बेहतर रिटर्न

पिछले पांच सालों में सोने और निफ्टी के पहली छमाही के प्रदर्शन को देखें तो गोल्ड ने काफी बेहतर रिटर्न दिया।

सोने का रिटर्न: साल 2019 और 2023 के बीच, सोने का रिटर्न चार मौकों पर सकारात्मक रहा है, जिसमें 2020 में सबसे ज्यादा (13.71%) और 2022 में सबसे कम (0.59%) रहा। 2021 में इसने 3.63% का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

निफ्टी का रिटर्न : वहीं, इसके विपरीत, निफ्टी ने तीन मौकों (2019, 2021 और 2023) में सकारात्मक रिटर्न दिया है। इस दौरान 2021 की पहली छमाही में इसने 12% से अधिक रिटर्न दिया जो 2019 और 2023 के बीच 5 साल की अवधि में सबसे अधिक है। 2020 में, मार्च में कोविड 19 लॉकडाउन के कारण निफ्टी के स्तर में 15% की गिरावट देखी गई। 2022 की पहली छमाही में निफ्टी में 9% की गिरावट आई।

कहां तक जाएगी कीमत

सोने के प्रदर्शन के बारे में स्वर्ण बाजार के जानकारों का कहना है कि फरवरी और अप्रैल के बीच 18% की तेजी के साथ रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोना 71,000-72,000 रुपये के आसपास मजबूत हो रहा है। उक्त अवधि में इसमें 12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। जानकारों ने कीमतों में स्थिरता के लिए पर्याप्त ट्रिगर्स की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। कमजोर बुनियादी बातों और तकनीकी कारणों से अगले 1-2 महीनों में सोना 70,000 रुपये तक पहुंच सकता है। मध्यम से लंबी अवधि का नजरिया अभी भी सकारात्मक है और 2024 की आखिरी तिमाही में पीली धातु नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच सकती है। साल के अंत तक यि 75,000 रुपये से 77,000 या 80000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लक्ष्य को हासिल कर सकता है। हालांकि अगले एक दो महीने में यह 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहने की उम्मीद है। इस दौरान निवेश इसे खरीदेंगे जो इसमें अच्छा मुनाफा मिलने के पूरे चांस है।

सोने में निवेश के विकल्प

गोल्ड ईटीएफ

आप शेयरों की तरह भी सोने को खरीद सकते हैं। इस सुविधा को ही गोल्ड ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड होते हैं। इन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। आप इसे गोल्ड की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं। हालांकि आपके पास ट्रेडिंग डीमैट अकाउंट होना जरूरी है।

फिजिकल गोल्ड

आप फिजिकल गोल्ड भी खरीद सकते हैं। फिजिकल गोल्ड जैसे सोने के बिस्किट-सिक्के या ज्वैलरी खरीदना है। हालांकि एक्सपर्ट ज्वैलरी खरीदने को गोल्ड में निवेश का अच्छा विकल्प नहीं मानते हैं। इसकी वजह है कि इसपर आपको मेकिंग चार्ज और जीएसटी देना पड़ता है।

पेमेंट ऐप से करें निवेश यानी डिजिटल गोल्ड

अब आप बेहद आसानी से अपने स्मार्टफोन से भी सोने में निवेश कर सकते हैं। आपको इसके लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। आप अपनी सुविधा के हिसाब से जब चाहें गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और अमेजन पे जैसे कई प्लेटफार्म उपलब्ध हैं। डिजिटल गोल्ड खरीदने के कई फायदे हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सोने में निवेश का एक विकल्प सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। इसका मूल्य रुपये या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। अगर बॉन्ड एक ग्राम सोने का है, तो एक ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का निश्चित ब्याज मिलता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश के लिए भी डीमैट अकाउंट जरूरी होता है।

बाढ़ में कार डैमेज हो जाए तो क्या मिलता है इंश्योरेंस कवर

अगर आपकी कार बाढ़ में डैमेज हो जाए तो इंश्योरेंस कंपनी को उनके कस्टमर हेल्प नंबर पर संपर्क करके या उनकी वेबसाइट पर जाकर डैमेज कार की जानकारी दें। फिर कंपनी डैमेज का आकलन कर आगे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाती हैं।

बीमा की बात
बिजनेस डेस्क

देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून आ चुका है। कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। ऐसे में आप बाढ़ में कार के बहने और डूबने की खबरें देखते हैं। हाल ही में हरिद्वार में एक सूखी नदी में बाढ़ के कारण कई कारें बह गई थी, पहाड़ी इलाकों में कई जगह भूस्खलन के कारण कारों को नुकसान पहुंचा है। लेकिन क्या आपने यह सोचा है कि जब ये कारें बाढ़ में बहकर डैमेज हो जाती हैं तो क्या इस स्थिति में कार इंश्योरेंस कवर मिलता है? जानकारों का कहना है कि बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज आपके द्वारा चुनी गई कार बीमा पॉलिसी के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर आपने व्यापक कार पॉलिसी चुनी है, तो आप बाढ़ से होने वाले नुकसान या अपने वाहन को होने वाले नुकसान से सुरक्षित रहेंगे। आइए इस रिपोर्ट में हम उन बातों पर चर्चा करते हैं जो आपको अपनी कार के लिए बाढ़ बीमा, व्यापक कार बीमा लाभों और बाढ़ के नुकसान की स्थिति में कार बीमा दावा दायर करने के तरीके के बारे में जानने की जरूरत है।

बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज की सीमा आपकी पॉलिसी के विशिष्ट विवरण के आधार पर अलग-अलग हो सकती है, इसलिए विस्तृत जानकारी के लिए पॉलिसी दस्तावेजों की समीक्षा करना या अपने बीमा प्रदाता से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। बाढ़ से होने वाले नुकसान को समझना बेहद जरूरी है। बारिश से होने वाले नुकसान की गंभीरता तभी स्पष्ट होती है जब आप अपने वाहन को मैकेनिक के पास ले जाते हैं। जब वे मरम्मत की लिस्ट देते हैं, तो परिणामस्वरूप वित्तीय भार भारी हो सकता है।

बाढ़ से कार को होने वाले नुकसान

इंजन डैमेज
जब पानी कार के इंजन में चला जाता है, तो इससे कार के आंतरिक हिस्सों को आंशिक या संपूर्ण क्षति हो सकती है। इससे आपकी कार बेकार हो सकती है।

गियरबॉक्स डैमेज
जब पानी गियरबॉक्स में प्रवेश करता है, तो यह उपकरण को खराब कर सकता है या पूरी तरह से बेकार बना सकता है। यह आपकी परेशानी बढ़ाने वाला हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक फ्रंक्शन
जब बाढ़ के दौरान पानी कार में घुस जाता है, तो इससे इलेक्ट्रॉनिक्स में शॉर्ट सर्किट हो सकता है और डैशबोर्ड अलर्ट लाइट की संभावित विफलता हो सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को पानी बहुत जल्दी और भारी नुकसान पहुंचाता है।

इंटीरियर को नुकसान
पानी के आक्रमण के परिणामस्वरूप इंटीरियर बर्बाद हो सकता है। इसमें कार्पेट, सीटें और दूसरे नरम सामान शामिल हैं। इससे आपकी गाड़ी पूरी रूह बिगड़ सकती है। अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए।

कौन सी कार पॉलिसी बेहतर

व्यापक कार बीमा बाढ़ से संबंधित कवरेज प्रदान करता है। भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं कभी भी हो सकती हैं और उनकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है। इसलिए, अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए। इससे आपको आसानी से डैमेज कार का इंश्योरेंस मिल सकेगा।

कवरेज के निम्न तरीके

इंजन सुरक्षा कवरेज
कार का इंजन बाढ़ के पानी के घुसने से क्षतिग्रस्त हो जाता है। व्यापक बीमा इंजन क्षति को कवर नहीं करता है। हालांकि, यह इंजन की मरम्मत या रिप्लेसमेंट के लिए वित्तीय कवरेज प्रदान करता है। इसलिए बीमा करवाते समय यह ध्यान रखने की बातें हैं।

शून्य मूल्यह्रास कवरेज
कार के पुर्जे समय के साथ घिसाव और टूट-फूट के कारण स्वाभाविक रूप से खराब हो जाते हैं, जिससे वाहन के मूल्य में कमी आती है, जिसे मूल्यह्रास कहा जाता है। क्लेम करते समय, मानक बीमा क्षतिग्रस्त पुर्जों के मूल्यह्रास मूल्य को कवर करता है। हालांकि, शून्य मूल्यह्रास कवरेज के साथ, बीमा मूल्यह्रास को ध्यान में रखे बिना मरम्मत के लिए पूरी राशि का भुगतान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि कार की मरम्मत की कुल लागत को कवर किया जाए।

चाबी बदलने का कवर
आधुनिक कार की चाबियां ठीक करना या बदलना जटिल और महंगा है। अगर बाढ़ के चलते आपकी कार की चाबी या लॉकसेट डैमेज हो जाता है, तो यह कवरेज लॉकसेट को बदलने या मरम्मत करने की लागत को कवर करेगा।

उपभोज्य कवर
बेस प्लान लुब्रिकेंट, गियरबॉक्स और इंजन ऑयल, नट और बोल्ट, ग्रीस इत्यादि जैसी उपभोग्य वस्तुओं को बदलने के खर्च को कवर नहीं करता है। हालांकि, इस ऐड-ऑन के साथ, आप किसी दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा, जैसे बाढ़ के बाद होने वाले उपभोग्य खर्चों के लिए कवर किए जाते हैं।

खबर संक्षेप

रक्तदान एक महान पुण्य कार्यः बलाली

चरखी दादरी। विवेकानंद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में 6 जुलाई शनिवार को मास्टर नरेश बलाली व प्रदीप सांगवान बलाली के सानिध्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। मुख्यतिथि के रूप में महावीर फौगाट बलाली, आचार्य देवी सिंह, जगमेन्द्र छिल्लर, प्राचार्य बलबीर मेहरा ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर व रक्तदान प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया और भविष्य में भी समय-समय पर रक्तदान करते रहने व युवा साथियों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्त उपलब्ध करवाने का कोई और विकल्प नहीं है, मानव रक्तदान करके ही अन्य व्यक्तियों की सहायता कर सकता है।

जिले में चलाया जा रहा प्रचार अभियान

भिवानी। मुख्यमंत्री ने किया गरीबों को खुशहाल, जनहितैषी नायाब तोहफे देकर किया निहाल। भजनों के जरिये ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से जिला में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। जिला के ग्रामीण क्षेत्र में रोजाना भजन पार्टियां पहुंच रही हैं।

भाजपा की जन विरोधी नीतियों से लोग परेशान

भिवानी। लोकसभा चुनाव के बाद समूचे प्रदेश में एक ही चर्चा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा में भारी बहुमत के साथ कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने जा रही है। उक्त शब्द युवा कांग्रेसी नेता प्रदीप बंसल ईशरवाल ने 8 जुलाई को भिवानी में होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर लोगों से सम्पर्क करते हुए कहे। प्रदीप बंसल ने कहा कि आज सीईटी व नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में सरेआम हो रही धांधली से जहाँ युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है वहीं जो युवा फौज में भर्ती होकर देश सेवा करना चाहते थे वो अग्निवीर जैसी योजनाओं से स्वयं को असहज महसूस कर रहे हैं।

जगरामबास से मांढी केहर सड़क मार्ग के निर्माण में घटिया सामग्री के प्रयोग के आरोप

ग्रामीणों ने रोष जता निर्माण कार्य बंद करवाने की उठाई मांग

निर्माण स्थल से सैंपल लेकर इसकी जांच करवाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

जगरामबास से मांढी केहर तक बनाए जा रहे लिंक सड़कमार्ग के निर्माण में ग्रामीणों ने घटिया सामग्री के प्रयोग के आरोप लगाए है। दोनों गांवों के ग्रामीण सरपंच व सरपंच प्रतिनिधि की अगुवाई में शनिवार को गांव जगरामबास के समीप सड़क निर्माण कार्य स्थल पर पहुंचे और नारेबाजी कर रोष जताया। ग्रामीणों ने घटिया निर्माण सामग्री के प्रयोग के चलते काम बंद करने और निर्माण स्थल से सैंपल लेकर इसकी जांच करवाने की मांग की है। बता दें कि गांव जगरामबास से मांढी केहर तक लिंक सड़कमार्ग निर्माण का कार्य करवाया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण सामग्री को लेकर दोनों गांवों के ग्रामीणों ने सरपंच सहित एकत्रित होकर मीटिंग की और उसके बाद निर्माण कर्य स्थल पर पहुंचकर जमकर ठेकेदार और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। रोष जता रहे मांढी केहर सरपंच अशोक कुमार, जगरामबास सरपंच प्रतिनिधि, सूबेसिंह धनखड़, अजय कुमार, नवीन, सुरेंद्र आदि ने कहा कि निर्माण कार्य में जो सामग्री प्रयोग की जा रही है वह निम्न स्तर की है। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि रात के समय कार्य किया जा रहा है और दिन में बंद रहता है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क निर्माण में जो तारकोल व कंक्रीट की परत डाली जा रही है वह भी निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं है।

घटिया निर्माण सामग्री को लेकर रोष जताते ग्रामीण।

शीघ्र निर्माण कार्य बंद करवाने व निर्माण सामग्री की जांच करवाने की मांग

उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में करीब 30 एमएम की परत डाली जाती है, जबकि एक से दो एमएम की ही परत डाली जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब छह-सात महीने पहले जब रोड़े आदि डाले गए थे, उस समय भी ग्रामीणों ने घटिया निर्माण सामग्री की बात कहकर जांच की मांग की थी, जिसके बाद संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे, लेकिन कोई संज्ञान नहीं लिया। उसी का परिणाम है कि संबंधित ठेकेदार मनमानी कर रहा है और घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है, जो आने वाले दिनो में लोगों के लिए परेशानी का कारण बनेगी। ग्रामीणों ने रोष जताते हुए शीघ्र निर्माण कार्य बंद करवाने व निर्माण सामग्री की जांच की मांग की है।

पानी के होद चैंबर में निम्न स्तर की सामग्री से भड़के लोग

- सप्लाई से पहले ही क्षतिग्रस्त हुआ होद
- कस्बावासियों को नहर में पानी आने पश्चात भी रहना पड़ सकता है प्यासा

हरिभूमि न्यूज, बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में एनएचएआई द्वारा जलघर के जोड़ने के लिए बनाए जा रहे नाले व बिछाई जा रही पाइपलाइन के कनेक्शनों के प्रयोग से पहले क्षतिग्रस्त होते हुए नजर आए वहीं कार्यकारी अभियंता ने उपमंडल अभियंता व कनिष्ट अभियंता की निगरानी में कार्य करवाने की बात कही। उल्लेखनीय है कि भिवानी से हांसी तक एनएचएआई द्वारा रोड़ का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है लेकिन नाले व पाइपलाइन का कार्य कछुआ चाल से चल रहा है। कस्बा के दोनों जलघरों जिसमें पहला तहसील कार्यालय के पास तो दूसरा हांसी चुंगी पर स्थित है।

बवानीखेड़ा। निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए।

सुंदर नहर में पानी आने से खुली पोल : जहां एक तरफ प्रथम जलघर के लिए बनाए गए नाले में निम्न स्तर की सामग्री के प्रयोग से शुक्रवार को कस्बावासी बिफर पड़े थे और एसडीओ जयसिंह ने स्थाई पाइपलाइन बिछाने का आश्वासन दिया तो वहीं द्वितीय जलघर के लिए काफी बार पार्षदों, समाजसेवियों ने पाइपलाइन का कनेक्शन सुंदर नहर में जोड़ने के लिए निरीक्षण किया जा चुका है लेकिन एनएचएआई की तरफ से केवल आश्वासन दिए गए।

भिवानी। मरीजों की जांच करते जिला योग कोर्डिनेटर डॉ. संजय वैद।

शिविर में 119 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

भिवानी। आयुष विभाग द्वारा अपने सभी आयुष हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों में जुलाई व अगस्त माह में वृद्ध रोगियों के लिए जेनेरिक केयर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप के आयोजन केंद्र सरकार एवं महानिदेशक आयुष हरियाणा के निर्देशानुसार किए जा रहे है। इसी सिलसिले में आयुष हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर कलिंगा में वृद्ध रोगियों के लिए विशेष कैंप लगाया, जिसमें जिला योग कोर्डिनेटर डॉ. संजय वैद ने वर्षा ऋतु में होने वाली संभावित रोगों एवं बचाव के तौर-तरीके लोगों को बताए। उन्होंने बरसात में खान-पान का ध्यान रखने एवं आहार-विहार को लेकर लोगों को जानकारी दी। कैंप में 119 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई व दवाईयां दी गई। कैंप में आए लोगों का फ्री में शुगर, बीपी व एचबी आदि की जांच की गई। शिविर में लोगों को रोग के अनुसार आसन व प्रणायाम भी करवाए। कैंप में डॉ. संजय वैद, पूजा जावला, योग सहायक सोमबीर, कविता, मतदन, नवीन आदि मौजूद रहे।

भिवानी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्वमंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन कल

भिवानी। रोहतक रोड स्थित रिजोर्ट में आठ जुलाई को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान के नेतृत्व में होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए शनिवार को पूर्वमंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा के निवास पर बैठक हुई। बैठक के दौरान पूर्वमंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा ने सम्मेलन को सफल बनाने को कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाई। बैठक का संचालन रामकिशन शर्मा ने किया। बैठक को संबोधित करते पूर्वमंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। इस दौरान आमजन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से जुमलों की सरकार साबित हुई है, जिसने आमजन को बरगलाने की अलावा कोई कार्य नहीं किया, जिसके चलते प्रदेश की जनता में भाजपा के खिलाफ रोष है तथा वे अबकी हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस सरकार चुनने का मन बना चुके है।

चरखी दादरी। सरपंचों को संबोधित करती डॉ. किरण कलकल।

पंचायत के माध्यम से गांव का विकास संभव

चरखी दादरी। भाजपा जिला कार्यालय में सरपंचों ने भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. किरण कलकल के साथ बैठक की और विकास कार्यों के लिए मांगपत्र सौंपे। सरपंचों को बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि ग्राम पंचायत के सरपंच देश की सबसे छोटी सरकार के मुखिया होते हैं, सरपंचों को जनता की सुविधाओं का ख्याल करते हुए हरवर्ग के लिए दिल खोलकर विकास कार्य करने चाहिए। पंचायत के माध्यम से गांव का समुचित विकास संभव है। उन्होंने कहा कि सभी गांवों के सरपंचों को अपने गांवों के विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार कर ज्ञापन समय पर सरकार को भेजें। उन्होंने कहा कि सरपंचों को अपने-अपने गांव स्तर की समस्याओं को तुरंत लिखित रूप में अधिकारियों को देकर उनका समाधान करवाना चाहिए, तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाएगा। बैठक में विभिन्न गांव के सरपंचों ने जनसमस्याओं की मांगों को जिलाध्यक्ष डॉ. किरण को ज्ञापन सौंपा।

तपोभूमि शिव कावड़ सेवा संघ ने जत्था किया रवाना

- कावड़ियों की सेवा को 15 दिवसीय भंडारे व शिविर के सामग्री वाहन के साथ जत्था रवाना
- कांवड़ियों की सेवा करना है सबसे बड़ा पुण्य का कार्य : शांडिल्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हिंदू धर्म में कावड़ लाना पुण्य का कार्य माना जाता है तथा कावड़ियों की सेवा करना और भी बड़ा पुण्य का कार्य है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए तपोभूमि शिव कावड़ सेवा संघ द्वारा गौमुख से कावड़ लाने वाले कावड़ियों की सेवा के लिए गौमुख के पास झाला में सेवा शिविर व भंडारे का आयोजन किया जाता हैं, जिसके लिए भिवानी से सामग्री वाहन के साथ जत्था रवाना हुआ। ये बात पूर्व पार्षद विजय शांडिल्य के पुत्र समर शांडिल्य ने कावड़ियों की सेवा के लिए लगाए जाने वाले शिविर की सामग्री वाहन लेकर जत्थे को रवाना करते हुए कही। उन्होंने कहा कि उनके पिता विजय शांडिलय तपोभूमि शिव कावड़ सेवा संघ के अंतर्गत पिछले 33 वर्षो से कावड़ियों की सेवा के लिए गौमुख के पास झाला में शिविर लगाते रहे है। कोरोनाकाल से कुछ समय पूर्व उनके पिता विजय शांडिल्य का देहांत होने तथा बाद में कोरोना की वजह से शिविर व भंडारे का आयोजन नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब फिर से कावड़ यात्रा शुरू हुई है तो वे अपने पिता के स्वप्न को पूरा करने के लिए शिविर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिविर से कावड़ियों को काफी राहत मिलती है, क्योंकि कावड़ यात्रा के दौरान उन्हें बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और ऐसे शिविर कावड़ियों के लिए बहुत लाभदायक है। शिविर में भिवानी अनेक गणमान्य लोगों के अलावा बहादुरगढ़, नजफगढ़, गुरूग्राम, रिवाड़ी, सोनीपत, फरीदाबाद, दिल्ली आदि शिवभक्तों का सहयोग रहेगा।

भंडारे व शिविर के लिए सामग्री लेकर रवाना होता शिवभक्तों का जत्था।

ऑडिशन के लिए 15 जुलाई तक करें आवेदन

भिवानी। अतिरिक्त उपायुक्त हर्षित कुमार ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित शास्त्रीय नृत्य, कथक तथा भरतनाट्यम पर आधारित 12 दिवसीय कार्यशाला एवं एक दिवसीय कार्यक्रम के लिए ऑडिशन नूपुर के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि केवल हरियाणा मूल के युवा व उभरते कलाकार, जिनकी आयु 15 से 35 वर्ष हो, भाग ले सकते हैं। इच्छुक आवेदक ई.मेल आर्टएंडकल्चरलएफेयर्सएचआरव ई एटदीरेट जीमेल डॉट कॉम पर आवेदन पत्र भरकर भेज सकते हैं।

चरखी दादरी। जनसभा को संबोधित करते आप नेता अनुराग ढांडा।

प्रदेश में लोग बदलाव के लिए तैयार

चरखी दादरी। आम आदमी पार्टी वरिष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अनुराग ढांडा ने गांव मंदोला में बदलाव जनसंवाद कहा कि जनता ने सभी पार्टियों को मौका देकर देख लिया। सरकारों जेई केवल जनता का शोषण किया है। हरियाणा में सरकारी स्कूलों व अस्पतालों में कोई सुविधा है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली और पंजाब में स्कूल, अस्पताल, बिजली व पानी की समस्या दूर करके दिखा दी। अगर उन्हें हरियाणा में मौका मिला तो क्या नहीं कर सकते, इसलिए हरियाणा की जनता को एक मौका हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बाद आम आदमी पार्टी तीसरा मजबूत विकल्प है। प्रदेश की जनता भी बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में दादरी समेत दक्षिण हरियाणा में कोई भी विकास कार्य नहीं हुआ है। पीपीपी की तानाशाही से प्रदेश की जनता परेशान है।

पौधे जीवनदायक, इनका संरक्षण जरूरी

- प्रत्येक छात्र को एक पौधा लगाना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

पर्यावरण की स्थिति को देखते हुए पेड़ लगाना और उनका संरक्षण करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। कारी दास स्कूल में पौधगिरी अभियान के अंतर्गत पौधे वितरित करते हुए वन राजिक अधिकारी रविंद्र राणा ने यह बात कही।

शिक्षा विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं छात्रों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता बढ़े इसको लेकर चलाए जा रहे अभियान पौधगिरी के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय कारी दास में पौधरोपण व पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्यतिथि आरएफओ बाढ़ड़ा रविंद्र राणा मौजूद रहे। पौधगिरी अभियान के नोडल अधिकारी हरपाल आर्य ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा बाढ़डा खंड में 17780 पेड़ लगाने का लक्ष्य दिया है। प्रत्येक छात्र को एक पौधा लगाना है। छात्रों को पौधे को संरक्षित रखने के लिए आंतरिक मूल्यांकन में अंक दिए जाएंगे। छात्रों को पौधे वितरित करते हुए आरएफओ रविंद्र ने कहा कि पौधरोपण के लिए यह मौसम पूरी तरह से अनुकूल है। मानसून के दौरान लगाए गए पौधों के लगने की संभावना अधिक रहती है। स्कूलों के लिए बाढ़डा रेंज की तीनों नर्सरियों में पर्याप्त संख्या में पौधे उपलब्ध हैं।

बाढ़ड़ा। कारीदास में पौधें वितरित करते पर्यावरण प्रेमी।

डॉ. श्यामा मुखर्जी के सपने को किया साकार

भिवानी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर भाजपा नेता रीतिक वधवा ने कहा कि 6 जुलाई उन्नीस सौ एक को कोलकाता के प्रतिष्ठित परिवार में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वेच्छा से देश में अलख जगाने के उद्देश्य राजनीति में प्रवेश किया। डॉक्टर मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांत वादी थे। उन्होंने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उनके इस सपने को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया है।

चरखी दादरी। बैठक में भाजपा सह प्रभारी व पदाधिकारी।

भाजपा को मिला हर वर्ग का साथ

चरखी दादरी। भाजपा के प्रदेश सहप्रभारी सुरेंद्र नागर ने जिला कार्यालय में बैठक ली। बैठक में दादरी जिला के भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडलों के पदाधिकारी, मोर्चा के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश सहप्रभारी सुरेंद्र नागर ने बताया कि कार्यकताअरं को आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पूरे जोर जोर से जुट जाना चाहिए। अपने बूथ पर लोगों को समस्याओं का समाधान करवाना चाहिए। भाजपा को हरियाणा प्रदेश के हर वर्ग का साथ मिला है जिसके चलते आने वाले विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न वर्गों के विकास हेतु घोषणाओं का पिटारा खोल दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रतिदिन जनता की समस्याओं के निराकरण हेतु उचित व कड़े फैसले ले रहे हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ. किरण कलकल, नगर परिषद चैयरमेन बख्शीराम सैनी, जिला प्रभारी महेश चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष बलवान सांगवान, सतेन्द्र परमार, रामकिशन शर्मा, किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष सुखविंद्र सिंह, बबीता फोगाट, राजेश बंटी, जगदीश अटेला आदि उपस्थित थे।

लोगों का आशीर्वाद कमल के साथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

भाजपा नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल शर्मा आगामी विधानसभा चुनाव तथा तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने को लेकर युद्ध स्तर पर धुंआधार मोहल्ला बैठक करने में जुटे हुए हैं। गत 3 जुलाई से प्रारंभ उनका यह कार्यक्रम दर्जनभर गांव में हो चुका है और आगामी समय में हलके के सभी गांव अर्थात 100 से अधिक गांव में यह मोहल्ला बैठक आयोजित होगी।

शनिवार को भाजपा नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल शर्मा ने क्षेत्र के गांव भारीवास में पहुंचकर मोहल्ला बैठक कार्यक्रम में जन-जन से मुलाकात कर कुशल क्षेम जाना और वरिष्ठ जनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान अनिल शर्मा ने भाजपा की नीतियों के बारे में ग्रामीणों को अवगत करवाते हुए आगामी विधानसभा चुनाव से संबंधित राजनीतिक चर्चा की और ग्रामीणों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ग्रामीणों से मुलाकात करते हुए अनिल शर्मा ने कहा कि आपका अपार स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन ही मुझे आगे बढ़ाने में नई ऊर्जा प्रदान करता है। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार रहने के लिए भी प्रेरित किया। इससे पहले कार्यक्रम के दौरान अनिल शर्मा ने गांव भारीवास में त्रिवेणी पौधारोपण कर सुबह की शुरुआत की। पौधारोपण के दौरान अनिल शर्मा का कहना था कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों को लगाना मानव जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक है।

तोशाम। कस्बे में जनसम्पर्क अभियान चलाते हुए।

छात्रों ने नारे लगाते हुए किया जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

घुसकानी विद्यालय के छात्रों ने निकाली जल संरक्षण रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सरकार व शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार गांव घुसकानी स्थित शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय समर कैंप के छठे दिन शनिवार को फालसा इको क्लब के नोडल अधिकारी विनोद पिंकू पीटीआई के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने को जागरूकता रैली निकाली। जागरूकता रैली को विद्यालय मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली में विद्यार्थियों ने गांव की विभिन्न गलियों से गुजरते हुए जागरूकता नारो के साथ ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए रैली के दौरान विद्यार्थियों ने जल ही जीवन है, जल है तो कल है, जल बचाओ-जीवन बचाओ, पानी नहीं बचाओगे तो प्यासे रह जाओगे, जनहित में सूचना जारी जल संरक्षण की करो तैयारी, पानी हम बचाएं देश में खुशहाली लाएं आदि नारे लगाएं। फालसा इको क्लब के नोडल अधिकारी विनोद ने कहा कि जल के बिना जीवन संभव ही नहीं है, इस बात पर विशेष ध्यान देते हुए हमें जल को संरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि वनस्पति एवं प्राणी जगत के अस्तित्व को बचाने का एकमात्र समाधान वर्षा जल को संरक्षित करना व अधिक से अधिक पौधरोपण करना है।

भिवानी। जल संरक्षण जागरुकता रैली निकालते विद्यार्थी।

पृथ्वी पर तीन चौथाई जल होने के बावजूद मात्र एक प्रतिशत से कम पानी उपयोग योग्यः मुख्याध्यापक कृष्ण ने कहा कि पृथ्वी पर तीन चौथाई जल होने के बावजूद भी मात्र एक प्रतिशत से भी कम पानी उपयोग में लाने योग्य है। नदियों और ग्लेशियर में पानी कम होता जा रहा है, जिसकारण हमें जल संकट का सामना करना पड़ता है। इस अवसर पर मुकेश सांगवान, लक्ष्मी, अनिल शर्मा, गुड्डी, अनिल, प्रवेश कुमारी, विजेंद्र सिंह, नवीन ढांडा, सुरेंद्र सिंह, ममता, जोगेंद्र सिंह, बिमला आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

'पर्यावरण संरक्षण के लिए सबको आगे आना होगा'

चरखी दादरी। भगवान वाल्मीकि पार्क में नगर परिषद चेयरमैन बक्शीराम सैनी ने पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक नागरिक सजग होकर आगे नहीं आएगा तब तक लक्ष्य को पाना पूरी तरह से संभव नहीं होगा। अगर हमारे घरों में स्थान नहीं है तो गमलों में पौधें लगा सकते हैं, अपने आसपास के सार्वजनिक पार्कों में लगातार पौधरोपित करने में सहयोग दे सकते है। यह छोटे छोटे प्रयास प्रदूषण व पर्यावण संरक्षण में बड़े काम के साबित होंगे।

गुरु स्वामी अनिलराज करवाएंगे ध्यान

भिवानी। ढ़ाणा रोड डिस्पोजल पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था व जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा एक जून से चल रहे निःशुल्क योग शिविर में ध्यान गुरू स्वामी अनिल राज ध्यान करवाने आएंगे। संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी ने बताया कि ध्यान मानसिक शांति प्रदान करता है। ये तनाव एवं चिंता को कम करने में मदद करता है, जिससे व्यक्ति अधिक संतुलित एवं सुखी महसूस करता है। इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। ये एकाग्रता एवं मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान करने से भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार होता है तथा नकारात्मक भावनाओं को नियंत्रित करने एवं सकारात्मकता बढ़ाने में मदद करता है।

14 तक मांगें पूरी नहीं हुई तो 15 को प्रदेशव्यापी हड़ताल में दहाड़ेंगे कम्प्यूटर प्रोफेशनल्स

हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफेशनल्स संघ ने सीएम को भेजा मांग पत्र

डीआईटीएस के 2768 कर्मियों को बायलॉज का लाभ देने पर बनी थी सहमति: अनिल
सहमति के बाद भी मांगों को पूरा करने में आनाकानी कर रही सरकार: प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र सौंपते हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल्स संघ के पदाधिकारी व सदस्य।

हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफेशनल्स संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने विभिन्न लंबित मांगों के समाधान की मांग को लेकर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मांगपत्र भेजा और जल्द से जल्द मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई। एसडीएम को सौंपे मांगपत्र मे हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफेशनल संघ के अध्यक्ष अनिल व कार्यकारी अध्यक्ष पवन कौशिक ने बताया कि संघ डीआईटीएस का केंद्रीकरण करते हुए बजट का प्रावधान करने, कर्मचारियों के पद सृजित करने, सरकार की नियमितीकरण की पॉलिसी में डीआईटीएस के आधीन कार्यरत कर्मचारियों को शामिल कर नियमित करने की मांग उठाई।

उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से 58 वर्ष की सेवा सुरक्षा देने, हरियाणा कौशल रोजगार निगम में भेजे डीआईटीएस कर्मचारियों को डीआईटीएस में शामिल करने, समान काम-समान वेतन, डीआरडीए/रैडक्रॉस के समकक्ष डीआईटीएस के आधीन कार्यरत कर्मचारियों को लाभ प्रदान किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि उनका प्रतिनिधिमंडल बीएमएस के मार्गदर्शन में 22 अप्रैल 2023 को डीआईटीएस की मांगों को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री से मिला था, जिसमें उनकी मांगों को लागू करने का आश्वासन दिया था। 17 मई 2024 को हरियाणा सिविल सचिवालय में कर्मचारियों की मांगों बारे बैठक हुई, जिसमें डीआईटीएस के 2768 कर्मचारियों को बायलॉज का लाभ देने के लिए मुख्य प्रधान सचिव द्वारा स्वीकृति प्रदान की थी, लेकिन आज तक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग चंडीगढ़ द्वारा कोई परिपत्र जारी नहीं किया।

सहमति पर तुरंत प्रभाव से पत्र जारी करने की मांग

मांगें न माने जाने पर संघ बड़े संघर्ष की रूपरेखा बनाने में जुट गया है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग करते हुए कहा कि 17 मई 2024 को बनी सहमति पर तुरंत प्रभाव से पत्र जारी किया जाए, ताकि 2768 कंप्यूटर प्रोफेशनल को इसका लाभ मिल सकें। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द ही उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे 15 जुलाई को प्रदेश व्यापी हड़ताल करने पर मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से सरकार की होगी।

भिवानी। वित्तमंत्री जेपी दलाल को ज्ञापन सौंपते प्राथमिक शिक्षक।

सामान्य तबादला ड्राइव शुरू करवाने की मांग

- वर्ष 2016 के बाद से प्राथमिक शिक्षकों के नहीं हो पाए सामान्य तबादले : कासनियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष जंगबीर कासनियां के नेतृत्व में तबादला ड्राइव को लेकर वित्त मंत्री जेपी दलाल को ज्ञापन सौंपा।

जिला प्रधान राजेन्द्र सिंह ने कहा कि पिछले आठ वर्षों से प्राथमिक शिक्षकों का सामान्य तबादला ड्राइव नहीं चलाया है, जिसको लेकर शिक्षकों में रोष बना है तथा अनेक प्राइमरी स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। जिलास्तर पर अधिकारियों द्वारा शिक्षकों की एडजेस्टमेंट कर लीपापोती की जा रही है। इसी मुद्दे को लेकर शिक्षकों ने वित्तमंत्री दलाल को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि पिछले दिनों प्राथमिक शिक्षकों का अंतरजिला तबादला किया, जिसके तहत अनेक शिक्षकों को अस्थायी विद्यालय आंवटित किए गए, अतः सामान्य तबादला ड्राइव चलाकर सभी तबादला हुए अध्यापकों को स्थायी विद्यालय आंवटित किए जाएं ताकि शिक्षण प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके। प्रदेश में टीजीटी, पीजीटी व अन्य श्रेणी के अध्यापकों के तबादले कई बार किये जा चुके हैं, लेकिन प्राथमिक शिक्षकों के सामान्य तबादले 2016 के बाद से नहीं हो पाये हैं।

भाजपा गरीब आदमी की नहीं, बल्कि पूंजीपतियों की सरकार : मनीषा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

- सरकार में बैठे लोग अमीर लोगों के लिए एजेंट के तौर पर काम रहे

कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री डॉ. मनीषा सांगवान ने कहा कि भाजपा आम आदमी व गरीब की नहीं बल्कि पंजीपतियों की सरकार है। इस सरकार को आमजन से कोई सरोकार नहीं है। सरकार में बैठे लोग अमीर लोगों के लिए एजेंट के तौर पर काम रहे हैं। इस सरकार ने आमजन को कुचलने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है।

कुछ समय पहले गुजरात में सरकार ने ग्रामीणों की 250 एकड़ जमीन छीनकर अडानी ग्रुप को सौंप दी जिसका निरंतर विरोध के बाद इसे ग्राम समुदायों को सौंपना पड़ा है। ये बात शनिवार को प्रेस को जारी बयान में कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री एवं हरियाणा कांग्रेस प्रवक्ता मनीषा सांगवान ने कही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार व उसमें शामिल लोग अड़ानी व दूसरे उद्योगपतियों के लिए खुलकर काम कर रहे हैं। अपने चहेते पूंजिपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए गरीब व आम लोगों के हकों पर भी डाका डाला जा रहा है। कुछ साल पहले गुजरात सरकार ने ग्रामीणों से 250 एकड़ से अधिक चारागाह की भूमि छीनकर अडानी समुह को सौंप दी थी। हालांकि वहां सरकार की दाल नहीं गली और लगातार विरोध के बाद अब इस जमीन को ग्राम समुदायों को सौंपना पड़ा है। भाजपा सरकार के लोग पूंजिपतियों के इशारे पर काम कर रहे हैं और वे इसके लिए कोई मौका नहीं छोड़ते बदले में चाहे आमजन को कितना भी नुकसान व परेशानियां क्यो ना उठानी पड़े। सांगवान ने कहा कि अब लोगों ने ठान लिया है कि भाजपा की गुंडागर्दी व तानाशाही सहन नहीं करेंगे।

ट्रायल प्रतियोगिता में रोहतक ने झज्जर को हराया

- सीनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता के लिए श्रीबालाजी स्कूल में हुई ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। ट्रायल के दौरान अतिथियों के साथ खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

नेटबॉल खेल को आगे बढ़ाने व नेटबॉल खिलाड़ियों की प्रतिभा तराशने के उद्देश्य से हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल में 25 से 28 जुलाई तक 42वीं सीनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता महिला व पुरूष दोनों वर्ग होंगे।

प्रतियोगिता के लिए स्कूल में ट्रॉयल प्रतियोगिता होगी, जिसमें प्रदेशभर की टीमें अपना दमखम दिखा रही है। यह जानकारी देते हुए हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव बबीता दहिया ने दी। शनिवार को ट्रायल में भारतीय नेटबॉल महासंघ के महासचिव विजेंद्र सिंह दहिया बतौर मुख्यतिथि पहुंचे। इसके अलावा स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर पवन कुमार, चंडीगढ़ नेटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास शर्मा व हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव बबीता दहिया ने बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्य बजरंग तंवर व निदेशिका रेणुका शर्मा ने बताया कि ट्रायल में प्रदेशभर की 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं । शनिवार को हुए मुकाबलों में रोहतक की टीम ने झज्जर को 22-14 के अंकों के अंतर तथा भिवानी ने पानीनत टीम को 31-18 के अंकों के अंतर से हराया। ट्रायल में और भी मुकाबले होने बाकी है। प्रतियोगिता में वे खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है, जो 18वीं सीनियर हरियाणा स्टेट नेटबॉल चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाए थे।

डंपर मालिक व चालकों ने सांसद और विधायक को दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

खानक पहाड़ से पत्थरों से भरे ओवरलोड डंपर निकालने को लेकर डंपर मालिक व चालकों ने सांसद धर्मबीर सिंहए विधायक किरण चौधरी को ओवरलोड़ बंद करने को लेकर ज्ञापन दिया है। गाडी चालको ने चार दिनों से कांटे बन्द कर रखे है। गाड़ियां ओवरलोड चलाने के कारण गाड़ी मालिक व चालक तीन से चार बार कांटे बन्द करवा चुके हैं।

चालक व गाड़ी मालिकों का कहना है कि गाड़ी क़रीबन 4 सौ फीट ऊपर से ओवरलोड पत्थर भरकर लाती है तो हादसा होने का भय रहता है। ओवरलोड गाड़ी रूकती नहीं है। चालको का कहना है कि ओवरलोड ले चलते जब कोई हादसा हो जाएगा उसका कोन जिम्मेवार होगा। चालकों के कहना है कि खानक पहाड़ से उनका रोजगार जुड़ा हुआ है लेकिन रोजगार बचाने के चक्कर मे वे अपनी जिंदगी दांव पर नहीं लगा सकते।

चालकों का कहना है कि वे गाडिय़ों में ओवरलोड भरकर नहीं चलेंगे। चालकों का कहना है कि जब वे सड़क पर ओवरलोड पत्थर भरकर जाएंगे तो सरकारी अधिकारियों का भय होगा। भय में गाड़ी तेज चलेगी सड़क पर भी हादसे का भय बना रहेगा। ओवरलोड के विरोध में बुधवार को फिर गाड़ी मालिक व चालकों ने कांटे बन्द रखे।

कांग्रेसियों को जनता के हितों से लेना देना नहीं: श्रुति

- चौ. बंसीलाल ने ही प्रदेश की जनता का किया था भला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। जनसम्पर्क अभियान के तहत पूर्व सांसद श्रुति चौधरी।

पूर्व सांसद श्रुति चौधरी ने कहा कि पहले और अब कांग्रेस में दिन रात का अंतर है। पहले कांग्रेसी नेता जनता के हितों की सोंचते थे,लेकिन अब कुछ नेताओं के हाथ की पार्टी बन गई है। वे केवल अपने स्वार्थ की राजनीति करते है। उनको जनता के हितों से कोई लेना व देना नहीं। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके दादा चौ. बंसीलाल ने प्रदेश के सीएम पद पर रह कर जनता के हितों के अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई। उन्होंने ही रेतीले टिल्लों पर पानी पहुंचाया। हर गांव व ढाणी में बिजली तथा प्रत्येक गांव को सडक़ से जोड़ा था। उन्होंने विकास कायारे् का इतिहास में एक अध्याय जोड़ा है। आने वाली पीढिय़ां याद रखेंगे। उन्होंने आज तोशाम हलके के गांव टिटानी, मालवास देवसर, मालवास माजरा, कुसुम्भी आदि गांव में समर्थकों का हाल चाल जाना और उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों से बात की और समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अब भाजपा ज्वाइन करके समाज सेवा की नई पारी शुरू की है। भाजपा आमजन की समस्याओं को सुनती है और उन तक सरकारी योजनाओं का फायदा प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाती भी है। पूर्व सीएलपी लीडर किरण चौधरी भी चाहती है कि सरकारी योजनाओं का फायदा लाइन के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक मिले। भाजपा की भी यही नीति है। वे भाजपा में रहकर जनता की सेवा करेंगी और हलके व जिले का चहुमुखी विकास करवाएगी। उन्होंने प्रदेश में तीसरी बार भी भाजपा की सरकार बनने का दावा किया। इस मौके पर अमर सिंह, कृष्ण लेघा, प्रदीप गोलागढ़, परमजीत सिंह मड्डू, डॉ. जयसिंह, जयपाल चेयरमैन, सत्यनारायण शर्मा, अशोक सरपंच, रोशनलाल सरंपच आदि मौजूद रहे।

चरखी दादरी। जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय में धरना देते ठेकेदार।

बकाया पेमेंट को लेकर ठेकेदारों का धरना जारी

- अभियंता के कार्यालय समक्ष यूनियन जिला प्रधान व पूर्व चेयरमैन प्रीतम बलाली की अगुवाई में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

जनस्वास्थ्य विभाग में ठेकेदारों की बकाया पेमेंट व अन्य समस्याओं को लेकर अभियंता के कार्यालय समक्ष यूनियन जिला प्रधान व पूर्व चेयरमैन प्रीतम बलाली की अगुवाई में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन पांचवे दिन में प्रवेश कर गया। धरने की अध्यक्षता ठेकेदार सुखबीर घसौला ने की। बलाली ने कहा कि ठेकेदारों को फिर से धरने प्रदर्शन पर बैठने को सरकार, आला अधिकारियों व विभाग ने मजबूर कर दिया है, जिसप्रकार से व्यवहार किया जा रहा है वो कतई भी सहन नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार व विभाग को किसी पर कुछ हजार जुर्माना लगा दिया जाता है तो उसे लगातार नोटिस भेजे जाते है, लेकिन उन ठेकेदारों का क्या कसूर है, जिनके करोड़ों रुपये की पेमेंट आज सालों साल बकाया पड़ी है। आम जन के हित में जो निर्देश मिले उन कामों को समय पर पूरा कर जनता की सेवा में समर्पित करने का काम ही उनका कसूर है अगर विभाग का रवैया रहा तो आने वाले दिनों में न सिर्फ ठेकेदारों का विश्वास कम हो जाएगा। इस अवसर पर सुनील गौरिया, संजय बिरही, अजय भागवी, पवन पैंतावास, बलजीत समसपुर, अमरजीत समसपुर, राजेंद्र सिंह फतेहगढ, महेंद्र सिंह दादरी, प्रीतम झामरी, राजकुमार व चांदबीर दूधवा आदि थे।

धर्मसेना प्रदेश में लगाएगी 50 हजार पौधे

बाढ़ड़ा। सामाजिक संगठन धर्म सेना ने इस मानसून सीजन प्रदेश में 50 हजार व चरखी दादरी जिले में 5 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। संगठन सदस्य एक महिने तक प्रदेश स्तर पर अभियान चलाकर इस लक्ष्य को हासिल कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का काम करेंगे। अभियान की शुरूआत धर्मसेना के प्रदेश अध्यक्ष बलवान सिंह आर्य की मौजूदगी में बाढ़ड़ा के राजकीय स्कूल में पौधारोपण की गई है। आर्य ने कहा कि धर्मसेना सदस्य प्रतिवर्ष मानसून सीजन में पूरे हरियाणा में एक व्यापक अभियान के तहत बड़ी संख्या में पौधारोपण करते हैं। उसी कड़ी में इस मानूसन सीजन भी संगठन की ओर से प्रदेश के सभी 22 जिलों में 50 हजार पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पेड़ों की कटाई के कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ता चला जा रहा है, जिसकारण प्रतिवर्ष गर्मी बढ़ती जा रही है। बीते दिनों पारा 50 डिग्री के करीब पहुंच गया था जो अच्छा संकेत नहीं है।

बाढ़ड़ा। राजकीय स्कूल में पौधरोपण करते धर्मसेना सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ईशरवाल में युवक की गोली मारकर हत्या

तोशाम। गांव ईशरवाल में क़रीबन 36 वर्षीय एक युवक की बीती रात्रि गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ हत्या व अवैध हथियार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम करवाक़र परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पत्नी रेखा ने बताया कि उसकी शादी मृतक के साथ 2010 में हुई थी। उनके एक लड़का व एक लड़की है। बीती रात्रि उसका पति मृतक सुरेंद्र व घर का एक पड़ोसी बैठक में बैठकर शराब पी रहे थे। रात्रि क़रीबन साढ़े ग्यारह बजे रेखा ने उसे खाना खाने के लिए कहा जिसके बाद सुरेंद्र का फोन आ गया। मृतक सुरेंद्र फोन पर बाते करने लगा। रेखा ने बताया कि जिसके बाद उसको नींद आ गई।

दादरी गेट ओबीसी ब्रिगेड कार्यालय में हुई महत्वपूर्ण मीटिंग

ओबीसी ब्रिगेड कल सीएम के नाम डीसी को सौंपेगी ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पिछड़ा वर्ग का शिक्षा में दिया आरक्षण शत प्रतिशत लागू करवाए

हरियाणा में क्लास तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में आरक्षण की सीमा 27% है, जबकि क्लास वन और क्लास टू में ये सीमा घटाकर 16% कर दी है, जो पिछड़ा वर्ग के लोगों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। अब तो मुख्यमंत्री भी पिछड़े वर्ग से है तो मुख्यमंत्री को चाहिए कि सीमा को बढ़ाकर 27% कर दिया जाए और पिछड़ा वर्ग के बच्चों का शिक्षा में जो आरक्षण है उसे भी शत प्रतिशत लागू किया जाए। इन बातों को लेकर ओबीसी ब्रिगेड 8 जुलाई को मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन देगा।

ओबीसी ब्रिगेड जिला कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण मीटिंग ओबीसी ब्रिगेड के कार्यालय दादरी गेट हाउसिंग बोर्ड के सामने में हुई, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा घोषणा की गई क्रीमीलेयर की आय सीमा छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपये करने को लेकर चर्चा हुई। बैठक में वक्ताओं ने बताया कि अभी तक मुख्यमंत्री की घोषणा पर कोई अमल नहीं हुआ है दूसरा कारण केंद्र सरकार में पिछड़ा वर्ग की क्रीमीलेयर की आय सीमा आठ लाख है और उसमें पूरे परिवार की इनकम नहीं है, सिर्फ अभ्यर्थी के पिताजी की इनकम है। उन्होंने बताया कि इसमें कर्मचारी की सैलरी और खेती की कमाई शामिल नहीं है, जबकि प्रदेश सरकार ने जो मापदंड तैयार किया है उसमें कर्मचारी की सैलरी व खेती की कमाई को भी शामिल कर दिया है। हम मुख्यमंत्री को बताना चाहते हैं कि कर्मचारियों की सैलरी व खेती की कमाई को इसमें शामिल न किया जाए, जाति जनगणना को लेकर हरियाणा में ओबीसी ब्रिगेड जल्द ही मुहिम शुरू करेगा और पूरे हरियाणा का दौरा कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देगा। इसके बाद एक बड़ी रैली जींद में होगी, क्योंकि जब कुत्तों, बिल्ली, पशुओं, पक्षियों व पेड़ों की गिनती हो सकती है तो पिछड़ा वर्ग के लोगों की गिनती क्यों नहीं हो सकती। 1931 की जनगणना के अनुसार पिछड़ा वर्ग की आबादी 54 प्रतिशत थी, जो आज लगभग वह 60% के आसपास है, अगर पिछड़ा वर्ग के लोग 60% हैं तो उन्हें शासन और प्रशासन व बजट में उनका हिस्सा मिलना चाहिए और उसी हिसाब से सरकारी पॉलिसी बनानी चाहिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सैं.मी 10X 8 सैं.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 7 जुलाई 2024

स्वस्थ, निरोग और दीर्घायु की कामना अधिकांश लोग करते हैं। वास्तव में ये सब हासिल करना बहुत कठिन नहीं है। इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे, कुछ गुड हैबिट्स अपनानी होंगी और कुछ बैड हैबिट्स को बाय-बाय कहना होगा। इसके बाद तो आप लाइफ की सेंचुरी लगा सकते हैं।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

अपनाएं ये हैबिट्स जिएंगे 100 साल

अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समय पूरी दुनिया में 4,50,000 लोग ऐसे हैं, जो अपनी आयु का सैकड़ा लगा चुके हैं। आने वाले दिनों में उम्र की सेंचुरी लगाने में सफल होने वाले लोगों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अगर आप भी अपनी लाइफ में सेंचुरी का आंकड़ा छूना चाहते हैं तो कुछ आदतों को अपने रुटीन में अपनाना होगा।

सोशल सर्किल हो बड़ा

अगर आप अनजान लोगों से भी आसानी से घुल-मिल जाते हैं, अपने सहकर्मियों के साथ जिंदादिली से मिलते हैं, रिश्तेदारों के साथ मिलते-जुलते रहते हैं, दोस्तों के साथ जमकर ठहाके लगाते हैं और परिवार के सदस्यों के साथ स्नेह और अपनेपन का संबंध रखते हैं, तो आपके शतकवीर होने की संभावना काफी ज्यादा है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में जेरियाट्रिक मेडिसिन (वृद्ध लोगों की चिकित्सा) के वरिष्ठ प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'अकेले और गुमसुम रहने वाले लोग अकसर बीमार रहने लगते हैं।' दीर्घायु लोगों की खोज और उन पर अध्ययन करने के लिए दुनिया भर की सैर कर चुके नेशनल ज्योग्राफिक के शोधकर्ता डैन बटनर कहते हैं, 'इटली के सरडीनिया में सौ साल की आयु पार कर चुके लोगों की बड़ी संख्या है और ये लोग दोस्ती और जिंदादिली के कारण ही स्वस्थ और खुश रहते हैं। जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है, उसका पड़ोसी तुरंत उसके पास पहुंच जाता है। इससे जल्द स्वस्थ होने में मदद मिलती है।'

खोजें जीने का मकसद

बिना मकसद की जिंदगी कुछ ऐसी ही होती है, जैसे बिना पते का लिफाफा। जिन्होंने अपने जीवन में ना कोई लक्ष्य तय कर रखा है और ना उन्हें जीने का मकसद मालूम है, उनकी जिंदगी में दिलचस्पी भी कम होती चली जाती है। लेकिन जो किसी मकसद से जीते हैं और किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं, उनमें जिंदगी के प्रति उमंग रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से क्रियाशील रहते हैं। ऐसे लोग अकसर लंबी आयु जीते हैं। साइकोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक शोध में भी अनुसंधानकर्ताओं ने ऐसी राय जाहिर की है। न्यूयॉर्क सिटी (अमेरिका) के माउंट सिनाई में स्थित इशान स्कूल ऑफ मेडिसिन के जेरियाट्रिक्स प्रोफेसर रोजेन लीपजिंग कहते हैं कि आपको नए दोस्त बनाने चाहिए, नई हॉबीज अपनानी चाहिए और सामाजिक कार्यों में वालंटियर के तौर पर सपोर्ट देना चाहिए।

वेट पर रखें कंट्रोल

जिसने अपनी सेहत की लगाम ढीली छोड़ दी और वेट, डाइट पर कंट्रोल नहीं कर पाता है, उसके जिंदगी की फील्ड पर जल्दी आउट होने के चांस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए शोधों के नतीजे बताते हैं कि जिन महिलाओं के कमर की माप 37 इंच या उससे ज्यादा थी, 40 वर्ष की उम्र के बाद उनकी आयु दूसरी महिलाओं (27 इंच या कम कमर वाली) की तुलना में 5 वर्ष तक कम हो सकती है। इसी प्रकार 35 इंच या कम कमर की माप वाले पुरुषों की तुलना में 43 इंच या उससे ज्यादा कमर के घेरे वाले पुरुषों की आयु में तीन साल तक की कटौती हो सकती है। जाहिर है, अगर आपने अपने कमर के घेरे यानी बॉडी वेट पर कंट्रोल कर रखा है तो आपकी आयु लंबी होने की संभावना बढ़ जाती है।

मिड एज में भी रहें फिजिकल एक्टिव

यंग एज में ही नहीं मिड एज में भी अगर आप खूब चलते-फिरते हैं, शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो बाद में भी आपके स्वस्थ रहने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। 'आर्चीव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन के नतीजे कुछ ऐसा ही संकेत करते हैं। मध्यवय के 19,000 वयस्कों पर अध्ययन करने के बाद सेहत विज्ञानियों ने पाया कि जो लोग इस उम्र तक फिट रहते हैं आगे चलकर उनमें हार्ट डिजीज, टाइप-2 डायबिटीज, कैंसर, अल्जाइमर्स आदि रोग होने की संभावना तुलनात्मक रूप से कम होती है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'जो लोग अपनी जिंदगी में भागते-दौड़ते रहते हैं, वॉकिंग करते है या साइकिल चलाते रहते हैं, वे लंबी आयु के स्वामी होते हैं।'

उपयोगी है दोपहर में झपकी

आप खूब काम करते हैं, सक्रिय रहते हैं फिर भी दोपहर में कुछ पल आराम के निकालते हैं और झपकी लेते हैं, तो आपके शतायु होने की संभावना में इजाफा हो जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 23000 लोगों पर लगातार 6 सालों तक अध्ययन किया तो पाया कि जिन लोगों में दोपहर को 30 मिनट तक नींद लेने की आदत थी, उनमें अन्य लोगों की तुलना में हार्ट डिजीज से मरने का 37 फीसदी कम जोखिम था। ग्रीस के एक छोटे से गांव इकारिया में सौ वर्ष की आयु पार चुके लोगों की बड़ी संख्या है और उन सभी में कुछ देर दोपहर को नियमित सोने की आदत है।

ताजे फल-सब्जियों का सेवन

मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में पता चला है कि फल और सब्जियों का भरपूर सेवन करने वाली महिलाओं की आयु, फल-सब्जी कम खाने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक होती है। इन महिलाओं की फल-सब्जी खाने की आदत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने इनसे पूछताछ के साथ इनके रक्त की जांच भी की। विशेषज्ञ बताते हैं कि दीर्घायु होने में फल-सब्जियों की महती भूमिका का जीता-जागता सबूत है जापान के ओकीनावा में रहने वाले शतायु बुजुर्ग। इस शहर में दुनिया की किसी भी दूसरी जगह के मुकाबले सबसे ज्यादा सौ वर्षीय या ज्यादा उम्र के लोग रहते हैं। यहां प्रति लाख 50 लोग सौ साल से ज्यादा उम्र के मिलेंगे। इस शहर के लोगों में प्लांट बेस्ड डाइट खाने की आदत है। इनमें से ज्यादातर लोग इन फल-सब्जियों को खुद अपने बगीचे में उगाना पसंद करते हैं। *

ये हैबिट्स भी हैं कारगर

- **अगर आप** जिंदादिल, हंसोड़ और आशावादी हैं तो आपकी आयु सौ के पार जाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। 'एजिंग' जर्नल में प्रकाशित एक शोध के नतीजों से पता चला है कि ऐसे लोग स्ट्रेस और एंजायटी से बचे रहते हैं, इसलिए इनकी आयु रूखे स्वभाव वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है।
- आप खुद को असली उम्र से कम फील करते हैं और अकसर दूसरे लोग भी ऐसा ही आकलन करते हैं, तो तय मानिए कि आप चिरायु होंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को वास्तविक उम्र से अधिक का समझने वाले और जल्दी ही बूढ़े दिखने वाले लोग अकसर कम उम्र में ही चल बसते हैं।
- आप मेडिटरेनियन डाइट लेते हैं तो आपकी आयु शर्तिया ज्यादा होगी। साबुत अनाज, मेवे, लेग्यूम्स, ऑलिव आयल के साथ-साथ फलों और सब्जियों का सेवन करने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कोशिकाएं निरंतर रीजेनरेट होती रहती हैं।

हियरिंग लॉस की वजह बनता हेडफोन-ईयरफोन

जब से स्मार्टफोन और उससे कनेक्टेड हेडफोन/ईयरफोन का ट्रेंड बढ़ा है, दुनिया भर में हियरिंग लॉस के केसेस में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। यह हैबिट कितनी हार्मफुल है और इससे बचना कितना जरूरी है, आपको पता होना चाहिए।

{ टेक्नोबिहेवियर / डॉ. मोनिका शर्मा }

पार्श्व गायिका अलका याग्निक ने पिछले दिनों खुलासा किया था कि वे सुनने से जुड़े एक दुर्लभ डिसऑर्डर की शिकार हो गई हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए जानी जाने वाली इस चर्चित गायिका के अनुसार, 'डॉक्टर्स ने मुझे बताया कि मैं सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस का शिकार हो गई हूं। वायरल अटैक के कारण इस बहरेपन का पता चला है।' अपनी स्वास्थ्य समस्या को साझा करते हुए अलका याग्निक ने लोगों को बहुत तेज संगीत और हेडफोन से फास्ट म्यूजिक सुनने को लेकर सावधान किया है। देश के एक चर्चित चेहरे की यह सलाह बहुत से लोगों के लिए चेतावनी के समान है। मौजूदा दौर में हर ओर यही देखने में आता है कि एक्सरसाइज, वॉक, ट्रैवलिंग या फिर दूसरे कोई घरेलू काम निपटाते हुए भी बहुत से लोग ईयरफोन या हेडफोन लगाए रहते हैं। यह अपने परिवेश से खुद को अलग करने वाला बर्ताव तो है ही, बीमारियों को न्योता देने वाली आदत भी है। जरूरी है कि समय रहते सजगता बरती जाए।

हेल्थ पर भारी स्टाइल स्टेटमेंट: बिना सोचे-समझे स्टाइलिश दिखने के लिए इस्तेमाल की जा रहीं ऐसी तकनीकी सौगातें, अब हेल्थ के लिए रिस्क पैदा करने लगी हैं। असल में बिना अनुशासन के काम में ली जा रही हर चीज के खामियाजे होते ही हैं। सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि हरदम हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखने में फैशनेबल दिखने जैसी कोई बात नहीं है। तकनीक से मिली बहुत सुविधाओं में यह भी एक सुविधा भर है, जिसके इस्तेमाल की अति, हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बनती है। हर समय हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखना सीधे-सीधे हमारी सुनने की क्षमता को प्रभावित करता है। इतना ही नहीं बाहरी शोरगुल से बचाने वाली यह तकनीक, हमारी मनःस्थिति के लिए घातक है। दूसरों से बोलने-बतियाने से लेकर किसी विशेष परिस्थिति में सहज बने रहने तक, बहुत आम सी बातें व्यवहार से गायब हो जाती हैं।

कई रोगों का कारण: ईयरफोन या हेडफोन से तेज संगीत सुनना, केवल हियरिंग लॉस ही नहीं करता बल्कि शरीर के दूसरे अंगों पर भी दुष्प्रभाव डालता है। यूं लगातार म्यूजिक सुनते रहने से मेंटल और इमोशनल सेहत भी प्रभावित होती है। असल में इंसान के कानों की सुनने की क्षमता केवल 90 डेसिबल होती है। लगातार तेज आवाज का कानों में गूंजते रहना इसे 40-50 डेसिबल तक कम कर सकता है। इतना ही नहीं यूं हरदम म्यूजिक सुनते रहना दिल की धड़कनें भी बढ़ा देता है। इससे हृदय से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। इसके अलावा सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, एकाग्रता की कमी और कानों में इंफेक्शन होने जैसी समस्याएं भी सामने आने लगती हैं।

स्मार्ट फोन का सधा इस्तेमाल जरूरी: हरदम कुछ ना कुछ सुनते रहने की आदत से बचने के लिए स्मार्ट फोन की लत से बचना पहला कदम है। आज के समय में हर कहीं इंटरनेट का उपलब्ध होना और डिजिटल मीडिया में देखने-सुनने के लिए मौजूद सामग्री की भरमार भी यूजर्स द्वारा हर पल कानों में ईयरफोन लगाए रखने का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है मीटिंग्स, स्कूल-कॉलेज की क्लास या आवश्यक बातचीत के लिए कुछ समय ईयरफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है पर लंबे समय तक ऐसा करना घातक है। इससे धीरे-धीरे सुनने और समझने की क्षमता भी प्रभावित होने लगती है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन या ईयरफोन लगाए रहना अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी जोखिम पैदा करने वाला बर्ताव है। घर-परिवार में ईयरफोन लगाकर रखने वाले लोग अपनों की बात भी सहजता से नहीं सुनते-समझते। यह स्थिति सार्थक संवाद में बाधा बनती है। असल में टेक्नोलॉजिकल रेवोल्यूशन के नाम पर अपने परिवेश से दूर होने के अनगिनत खामियाजे हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट को एक सौगात की तरह समझते हुए सधकर इन सुविधाओं का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है।

पैरेंट्स रखें बच्चों का ध्यान: कैलिफोर्निया के ऑस्टियोपैथिक बाल रोग विशेषज्ञ, जेम्स ई. फॉय, कहते हैं कि लंबे समय तक तेज आवाज में हेडफोन सुनने से बच्चों और किशोरों में हमेशा के लिए सुनने की क्षमता कम हो सकती है। असल में हेडफोन और हियरिंग लॉस का सीधा संबंध है। मौजूदा समय में 5 में से 1 किशोर किसी न किसी रूप में हियरिंग लॉस का अनुभव करता है। बीते 20 साल में यह आंकड़ा लगभग 30 फीसदी बढ़ गया है। हियरिंग लॉस के बढ़ते आंकड़े के पीछे हेडफोन का बढ़ता इस्तेमाल अहम वजह है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का अनुमान है कि दुनिया भर में करीब 1 अरब युवा ईयरफोन लगाकर सुनने की असुरक्षित आदतों के कारण सुनने की क्षमता खोने के जोखिम में हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ द्वारा यह चेतावनी भी दी जा चुकी है कि ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से 2050 तक 70 करोड़ से ज्यादा लोग हियरिंग लॉस का शिकार बन सकते हैं। ऐसे में पैरेंट्स समय रहते अपने बच्चों को इन तकनीकी सुविधाओं के इस्तेमाल की अति से बचाएं। *

{ लघुकथा / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन' }

अजूबा

रोज अपनी कालोनी से मिंटो पार्क तक सुबह साथ-साथ टहलने जाने और घंटों साथ रहने वाले दोनों वृद्ध पड़ोसी इस बार एक सप्ताह के बाद मिले थे।

'कहो भाई वर्मा! कहां निकल गए थे। सुना है बहुत लंबा टूर कर आए। क्यों सब खैरियत तो है?' पड़ोसी माथुर जी ने पूछा।

'क्या बताऊं यार! अपनी लड़की की शादी के सिलसिले में निकला था। पहले मुजफ्फरपुर गया, वहां से रांची फिर हजारीबाग, इसके बाद पटना से बक्सर होते हुए कल ही वापस लौटा हूं। लेकिन इस यात्रा में एक अजूबा हुआ। तुम सुनोगे तो सहसा विश्वास नहीं करोगे।' वर्मा जी बोले। 'ऐ! अजूबा...? कैसा अजूबा...? मैं भी तो सुनूं जरा।' माथुर जी जानने के लिए आतुर हुए। ' हुआ यह कि मैं पूरे एक हफ्ते बस और ट्रेन की यात्रा करता रहा, लेकिन रास्ते में कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई। ना कोई एक्सीडेंट, ना कहीं तोड़-फोड़, ना चक्काजाम, ना प्रदर्शन, ना ट्रेन डकैती, ना बस में चोरी, ना लूटपाट... कुछ भी नहीं हुआ। कहीं कोई वारदात नहीं हुई। मैं जैसे गया था, यहां से वैसे ही सकुशल वापस आ गया। बोलो है न अजूबे की बात?'

माथुर जी तुरंत बोले, 'बस... इतनी सी बात। अब मेरी सुनो। मेरे साथ तो इससे भी अधिक अजूबे की बात हुई। तुम्हें तो पता ही है कि गांव में मेरी थोड़ी-सी पुश्तैनी जमीन पड़ी हुई थी।'

मैंने सोचा बच्चों को तो अब लौट कर गांव जाना नहीं है और अपनी जिंदगी का कोई भरोसा नहीं, पका आम हूं कब टपक पड़ूं, पता नहीं। सो मन हुआ कि उस जमीन को बेच दूं। इसी सिलसिले में मैं गांव गया था। सचमुच यार! मुझे यह देख कर बहुत हैरानी हुई कि तहसील की खसरा, खतौनी में वह जमीन अभी भी मेरे ही नाम थी। बताओ यह अजूबे की बात नहीं तो भला और क्या है? और उससे भी अधिक अजूबे की बात तो यह हुई कि मैं उस जमीन को बेच कर, पूरे अस्सी हजार रुपए नकद लेकर अपने गांव से यहां तक बिल्कुल सही-सलामत वापस आ गया।' माथुर जी ने अपने पड़ोसी वर्मा जी से कहा।

'हूं...! बात तो वाकई अजूबे की है!' कह कर वर्मा जी ने एक गहरी सांस ली। इसके बाद दोनों कुछ देर खामोश बैठे रहे। उन्हें मन ही मन बहुत आश्चर्य हो रहा था। *

उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं।

इधर की इनफॉर्मेशन उधर करने वाले

{ व्यंग्य / सतीश उपाध्याय }

किसी की शादी, जलसा हो या ऑफिस में किसी की ज्वॉइनिंग या रिटायरमेंट सबसे पहले 'उन्हीं' को जानकारी मिलती है। फटाक से जानकारी हासिल करने के मामले में उनकी 'सोशल स्किल' बहुत तगड़ी है। वे चुगली नहीं करते बल्कि नई इनफॉर्मेशन को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम करते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है, गॉसिपिंग के मामले में उनके ब्रेन की संरचना पर रिसर्च भी किया जा सकता है।

किसी की लाइफ में कोई परेशानी हो या कोई फील गुड, वे तो ताड़ ही जाते हैं। ताड़ने के बाद, फिर वे अर्जित जानकारी का 'तिल का ताड़' बना देते हैं। इस काम में भी वे इतने परफेक्ट हैं कि लगता है कि ये खूबी उनको अपने ही डीएनए से मिली है। उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं। सोसाइटी के बाकी लोगों से अलग हटकर उनमें कई खूबियां हैं। वे गजब हैं, टॉमी की तरह तेज घ्राणशक्ति भी रखते हैं। उनकी आदत, ऑफिस हो या कोई भी लोकेलिटी, आस-पड़ोस सभी जगह सक्रिय रहती है। फैमिली, रिश्तेदार, पास-पड़ोस सबकी जिंदगी के बारे में उन्हें, उनके ही हिसाब से जानकारी रहती है। ऐसे ही लोगों के भीतर निंदा रस ज्यादा पाया जाता है। इसीलिए उनकी सोशल इनफॉर्मेशन बहुत तगड़ी है। यही निंदा रस उन्हें हेल्दी बनाए हुए है। वे निंदा कर फील गुड करते हैं। जब वे किसी की निंदा करते हैं, तब उनके भीतर ऑक्सीटोसिन हार्मोंस का स्तर बढ़ जाता है। इस हार्मोन की वजह से वह जब-जब जिसकी, जितनी गहरी निंदा करते, वे उस समय उतने ही प्रसन्न भी रहते हैं। तब उनके हार्मोंस का स्तर सिर चढ़कर बोलने लगता, अपनी बात की प्रामाणिकता के लिए कसम भी खाते और कान के एकदम नजदीक आकर फुसफुसाते, 'मैंने अपनी आंखों से देखा है।'

ऐसे लोगों के लिए ही कबीर ने कहा है- 'आंगन कुटी छवाय।' वे निकट बने रहेंगे तो हमारी कमजोरी पर उनकी निगाह रहेगी। हम दुरुस्त रहेंगे। अपने निंदारस को बढ़ाने के लिए वे प्रायः महफिल खोजते हैं। जहां वे अपनी स्किल को बढ़ा सकें। इससे उनके दिल और दिमाग की सेहत दुरुस्त रहती है। उनके बातचीत का केंद्रीय विषय दूसरों की निंदा ही होती है। इसी में उन्हें खुशी का एहसास होता है। जब तक दो-चार लोगों की, दूसरों की निंदा ना कर लें, वे बेचैन रहते हैं। उनके मस्तिष्क में कई मौलिक विचार जागृत होते रहते हैं। ऐसा लगता है, जिस प्रकार हर नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है, उन्हें भी निंदा करने का अधिकार प्राप्त है। दूसरों की निंदा में उन्होंने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजारा है, शायद परमात्मा ने उन्हें जीवन निंदा करने के लिए ही दिया है। उनके हृदय में निंदा, उत्सव की तरह विराजमान रहता है। जब-जब वे निंदा करते हैं, तब-तब उनका उत्सव संपादित हो जाता है। उनके दिल में, कॉलोनी के लोगों से जुड़े अलग-अलग मौलिक किस्से मौजूद रहते हैं। अवकाश के दिनों में तो उनके पास रुमानियत के कई काल्पनिक किस्सों का इजाफा हो जाता है।

खैर वक्त तो लगा, वे पहचाने गए। समय के साथ पूरी कॉलोनी भी विवेकवान और उनसे सतर्क हो गई है। अब उनसे कॉलोनी बहुत दूर होती जा रही है। एक दिन पूरी कॉलोनी वालो ने ताड़ लिया कि वे हमारी 'आदर्श कॉलोनी' को छोड़कर 'समता कॉलोनी' शिफ्ट कर रहे हैं। *

जगन्नाथ रथ-यात्रा को भारतीय धर्म-संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है और यह यात्रा पुरी नगर के बाहर से आने वाले लोगों को भी सामूहिक आनंद और भक्ति का अनुभव कराती है। प्रत्येक वर्ष आषाढ़ माह में आयोजित होने वाली इस यात्रा में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। आस्था-भक्ति का यह आयोजन अपनी भव्यता के लिए भी जाना जाता है।

भक्ति-संस्कृति का संगम

जगन्नाथ रथ-यात्रा

धार्मिक आयोजन / अलका 'सोनी'

भक्ति और प्रेम में असीम शक्ति होती है। इससे वशीभूत होकर स्वयं भगवान भी खिंचे चले आते हैं। हमारे देश में तो भक्तों की अपने आराध्य भगवान से अनोखे रिश्ते की परंपरा रही है। यहां हम अपने भगवान को कभी झूला झुलाते हैं तो कभी रथ पर बिठाकर प्रेम से भ्रमण कराते हैं। इसके लिए पथ बुहारने का काम राजे-महाराजे करते रहे हैं। ऐसे ही अपने आराध्य प्रभु जगन्नाथ के रथ को अपने हाथों से खींचते हुए भ्रमण कराना अद्भुत अनुभव देता है। माना जाता है कि जिसे रथ खींचने का सुअवसर मिलता है, वो सौभाग्यशाली होता है। वैसे तो रथ-यात्रा मूलतः ओडिशा का त्योहार है। लेकिन अब पूरे देश में श्रद्धालु प्रेमपूर्वक भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलरामजी की रथ-यात्रा निकालते हैं।

हिंदू धर्म में विशेष महत्व

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ, श्रीकृष्ण के एक रूप माने जाते हैं और भगवान विष्णु के अवतारों में श्रीकृष्ण को पूर्णावतार माना जाता है। इसलिए उनकी यात्रा को भी श्रद्धालुओं द्वारा अत्यधिक आदर और भक्ति के साथ पर्व के रूप में मनाया जाता है। रथ- यात्रा की परंपरा सदियों पुरानी है और इसे भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। इसकी जड़ें इतिहास में गहराई तक फैली हुई हैं, जो इसे विशेष बनाती हैं। जगन्नाथजी की रथ यात्रा ना केवल भारत में बल्कि विश्व भर में प्रसिद्ध है और हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इसमें शामिल होने के लिए आते हैं।

सदियों पुरानी परंपरा

इतिहासकारों की मानें तो रथ-यात्रा की परंपरा, 12वीं सदी में शुरू हुई थी। हालांकि इस बारे में कुछ कथाएं भी प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार, जब राजा इंद्रद्युम्न ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी की मूर्तियां बनवाईं तो रानी गुंडिचा ने मूर्तियां बनाते हुए मूर्तिकार विश्वकर्मा और मूर्तियों को देख लिया, जिस वजह से मूर्तियां अधूरी ही रह गईं। तब आकाशवाणी हुई कि भगवान इसी रूप में स्थापित होना चाहते हैं। इसके बाद राजा ने इन्हीं अधूरी मूर्तियों को मंदिर में स्थापित करवा दिया। उस वक्त आकाशवाणी हुई कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी जन्मभूमि मथुरा जरूर आएंगे। स्कंद पुराण के उत्कल खंड के अनुसार राजा इंद्रद्युम्न ने आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन प्रभु के उनकी जन्मभूमि जाने की व्यवस्था की। तभी से यह परंपरा रथ-यात्रा के रूप में चली आ रही है।

इस यात्रा से संबंधित दूसरी कहानी देवी सुभद्रा से जुड़ी है। पद्म पुराण के अनुसार, एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने अपने प्रिय भाई से नगर देखने की इच्छा जताई। तब जगन्नाथ जी ने अपने बड़े भाई बलभद्र और लाडली छोटी बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाया और नगर दिखाने के लिए निकल पड़े। यह घटना आषाढ़ के दिनों की है। इसी भ्रमण के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्रजी और सुभद्राजी अपनी मौसी के घर गुंडिचा भी गए थे। अपनी मौसी के घर इन तीनों ने सात दिनों तक ठहर कर विश्राम किया था। उसी मान्यता के अनुसार आज भी यह यात्रा सात दिन बाद तीनों के वापस जगन्नाथ मंदिर में आने के बाद ही समाप्त होती है।

यात्रा के विभिन्न चरण

यह संपूर्ण यात्रा, रथयात्रा, गुंडिया यात्रा और निलाद्री विजय यात्रा के तीन अवस्थाओं में विभाजित होती है। इस यात्रा के लिए तीन विशाल रथ तैयार किए जाते हैं, जिन्हें लकड़ी से बनाया जाता है। ये रथ अत्यधिक भव्यता से सजाए जाते हैं और इन्हें खींचने के लिए हजारों भक्त एकत्रित होते हैं। 'नंदिघोष' नामक रथ पर भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। तालध्वज नामक रथ पर बलभद्र जी और देवदलन नामक रथ पर सुभद्रा जी विराजमान होती हैं। इस यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा को मंदिर से एक मार्ग द्वारा पुरी के गुंडिचा मंदिर तक ले जाया जाता है। यह यात्रा की प्रारंभिक अवस्था होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को उनके विशेष रथों में स्थानांतरित किया जाता है। यह रथ-यात्रा भरपूर धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न की जाती है। इसमें हजारों लोग भाग लेते हैं, जो रथ को खींचते हैं और उसे पुरी नगर तक ले जाते हैं।

दूसरी अवस्था गुंडिया यात्रा की होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों के दर्शन के लिए एक विशेष गुंडीया में वापस लाए जाते हैं। इसमें उनकी विशिष्ट पूजा-अर्चना की जाती है। उनके दर्शन करने के लिए भक्तों का एक खास आयोजन होता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था निलाद्री विजय यात्रा या बहुदा यात्रा होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को जगन्नाथ मंदिर में वापस ले जाया जाता है। इस अवस्था में विभिन्न पूजा-अर्चना के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और भक्तों को भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

जुड़ी हैं कई मान्यताएं

भक्ति, प्रेम और उपासना के साथ-साथ इस रथ-यात्रा के अन्य महत्त्व भी हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त भगवान जगन्नाथ की रथ-यात्रा में शामिल होता है, उसके जीवन में सभी दुख-दर्द खत्म हो जाते हैं। साथ ही भूल से हुए अपराधों के लिए भक्त क्षमा मांगकर अपने जीवन का नया अध्याय भी शुरू करते हैं। भगवान जगन्नाथ के दर्शन के बाद भक्तों को सुख-शांति के साथ अपना जीवन जीने के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि जो लोग भी सच्चे भाव से इस यात्रा में शामिल होते हैं, उनकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस यात्रा के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस रथ-यात्रा में शामिल होने का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी में हम कई बार अपने कुछ प्रयासों में नाकामयाब हो जाते हैं। ऐसे में निराश होने, मन में नकारात्मक भाव लाने और हार मानने की बजाय कुछ सकारात्मक सोचें और आगे बढ़ें तो सफल जरूर होंगे।

नाकामी से ना हों निराश

सीखें कुछ सकारात्मक

हालांकि हममें से अधिकतर लोग बुरे वक्त और असफलता से बचना चाहते हैं। लेकिन देखा जाए तो इसमें भी ऐसे महत्वपूर्ण सबक होते हैं, जो ना सिर्फ ताउम्र याद रहते हैं बल्कि जीवन के लिए बेहद उपयोगी भी साबित होते हैं। इसलिए नाकामयाबी को भी एक संदेश की तरह स्वीकार करें।

सुधार का अवसर मानें: कोई नहीं जानता कि कब नाकामी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन नाकामी को अपनी गलतियां पहचानने और उन्हें दूर करके अपनी कार्यशैली या आदतों में सुधार का अवसर समझें। समझदार लोग विफलताओं से ज्ञान हासिल करते हैं और इस ज्ञान को सफलता हासिल करने में इस्तेमाल करते हैं। याद रखें, हर नाकामी आपको एक नया अनुभव और सबक देती है, जो आपको अधिक ताकतवर और समझदार बनाते हैं।

गलतियां दोहराने से बचें: आप जब भी किसी लक्ष्य को हासिल करने में नाकामयाब हों तो उसे हासिल करने के प्रयासों का शुरू से लेकर आखिर तक पूरा आकलन करें। एक बार जब आप आत्मसमीक्षा करने और अपनी गलतियों को पहचानने में कामयाब हो जाएंगे तो आप भविष्य में उन गलतियों को दोहराने से बच सकेंगे।

नाकामी जीवन का हिस्सा: इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो कभी असफल नहीं हुआ होगा। दुनिया के सफलतम और सबसे प्रतिभाशाली लोगों ने भी अपने जीवन में कई बार विफलताओं का सामना किया है। हर असफलता के बाद आपको भी यह ध्यान रखना है कि यह जीवन का एक हिस्सा है और अब आपको विराम नहीं बल्कि दोबारा नए सिरे से कोशिश करनी है।

लक्ष्य की राह में मील का पत्थर: जब आप नाकामी के प्रति अपना नजरिया बदल लेते हैं और इसे दिल पर लेना छोड़ देते हैं तो विफलताएं आपकी राह में मील का पत्थर साबित होने लगती हैं। 'फीलिंग फॉरवर्ड' नामक चर्चित पुस्तक में जॉन सी मैक्सवेल ने यही लिखा है, 'जब आप ऐसा समझ लेते हैं तो अधिक उत्साह से अवसरों का सामना करते हैं और हार का डर आपके दिमाग से निकल जाता है। आप अपने सारे प्रयास समझ-बूझकर करते हैं और सफलता ज्यादा आसान हो जाती है।'

खुद पर भरोसा रखें: यह एक सामान्य सी बात है कि गलती या नाकामी की स्थिति में आपको अपने परिजनों, बॉस या सहकर्मियों से कुछ ताने सुनने पड़ सकते हैं। लेकिन ऐसे में खुद को अपमानित महसूस करना या दूसरों को दोष देना सही नहीं है। इससे पहले कि आपकी भावनाएं आप पर हावी हों, धैर्यपूर्वक सोचें कि आखिर आप चाहते क्या हैं? सबसे बड़ी बात यह है कि आप खुद पर भरोसा करें कि आप चाहेंगे तो इसे जरूर कर लेंगे, बस आपका काम बन जाएगा।

बहाने ना बनाएं: कामयाब ना होने के पीछे सबसे बड़ी प्रवृत्ति है बहाने बनाना। कई लोग एक-दो प्रयासों में असफल होने के बाद बहाने बनाने लगते हैं, 'क्या करें लोग साथ नहीं देते...' या 'हमारी तो किस्मत ही साथ नहीं देती है।' ऐसा ना करें। हम सब जानते हैं कि बिना मेहनत किए हम सफल नहीं हो सकते। यदि आप वाकई सफल होना चाहते हैं तो पूरी शिद्दत से अपने कर्म में जुट जाएं और तब तक जुटे रहें जब तक कि आप कामयाब ना हो जाएं। *

जैसे दुनिया में खाने-पीने के शौकीनों की कमी नहीं है, वैसे ही एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट और कीमती व्यंजनों की दुनिया भर में उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ की कीमत जानकर आप हैरान रह जाएंगे। कुछ ऐसे ही महंगे फूड-आइटम्स पर एक नजर।

सोने-चांदी की तरह महंगे हैं ये फूड

रोचक
अंजू जैन

अकसर हम महंगाई की चर्चा करते हैं और आटा, तेल, नमक, दाल, सब्जियों जैसी रोजमर्रा के खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने पर चिंता जताते हैं। लेकिन दुनिया के कुछ खास हर्ब्स, फल, सब्जियों और मिठाइयों की कीमत इतनी ज्यादा है कि उनके बारे में जानकर आप चौंक जाएंगे। ऐसे ही कुछ फूड आइटम्स पर एक नजर-

व्हाइट अल्बा ट्रफल: यह गुंथे हुए आटे या कुछ-कुछ अदरक जैसी दिखती है। यह एक प्रकार की फंगस (कवक) है, जो दुनिया की सबसे महंगी हर्ब मानी जाती है। यह दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका में पाई जाती है। इसका रंग क्रीम वाइट या लाइट पिंक होता है। इसका स्वाद ताजे अदरक और चीज जैसा लगता है। इसकी गंध और स्वाद दोनों तीखे होते हैं। इसे उगाना बहुत कठिन होता है और यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती है, इसीलिए यह इतनी महंगी होती है। इसकी कीमत प्रति किलो एक करोड़ रुपए तक हो सकती है।

मात्सुके मशरूम: यूं तो दुनिया में कई तरह के मशरूम पाए जाते हैं, लेकिन मात्सुके मशरूम

इनसे बिल्कुल अलग होता है। इसकी कीमत प्रति किलो 80 हजार रुपए तक हो सकती है। यह मशरूम जापान के अलावा यूरेशिया और उत्तरी अमेरिका के देशों में ज्यादा पाया जाता है। इसे

सोने की मिठाई

यूएई का दुबई शहर ऐश्वर्य, वैभव और विलासिता के लिए जाना जाता है। यहां शानदार होटल से लेकर लाजवाब फूड्स तक हर वो चीज मौजूद है, जो आपको हैरानी में डाल सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुबई के एक रेस्टोरेंट में सोने की मिठाई परोसी जाती है। दुबई के रेस्टोरेंट 'जो जू' में स्वीट डिश सोने की एक परत के साथ सर्व की जाती है। इस रॉयल मिठाई की चर्चा पूरी दुनिया में है। इस सोने की मिठाई की कीमत प्रति पीस करीब 25 डॉलर यानी इंडियन करेंसी में 2 हजार रुपए से कुछ अधिक होती है।

जापानी लोग खूब पसंद करते हैं। इनसे बनने वाले व्यंजन गाढ़े, रेशेदार और स्पाइसी होते हैं।

कोपी लूवक: यह दुनिया की सबसे महंगी कॉफी है। इसे सिर्फ इंडोनेशिया में ही उगाया जाता है। कॉफी के शौकीन टूरिस्ट, इस कॉफी को टेस्ट करने के लिए खासतौर पर इंडोनेशिया आते हैं। लेकिन इसका स्वाद वही चख सकता है, जो शौकीन होने के साथ-साथ अमीर भी हो, क्योंकि इसके एक पौंड यानी लगभग 450 ग्राम की कीमत होती है लगभग 1 लाख 25 हजार रुपए।

जापानी काला तरबूज: गर्मी के मौसम में आम और खरबूजे के साथ-साथ सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला फल तरबूज होता है। आमतौर पर आप तरबूज 30 से 50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदते होंगे। लेकिन हम कहें कि एक ऐसा भी तरबूज होता है जिसकी कीमत 45 लाख रुपए प्रति किलो है, तो आप शायद यकीन नहीं करेंगे। जी हां, यह अनोखा काला तरबूज, सिर्फ जापान में ही उगाया जाता है। चूंकि इसका उत्पादन बहुत कम होता है, इसलिए इसकी कीमत इतनी ज्यादा होती है।

मूस चीज: यह एक खास प्रकार का चीज है, जो स्वीडन में मिलता है। गधी के दूध से बनने वाला मूस चीज, दुनिया के सबसे महंगे फूड आइटम्स की सूची में शामिल है। इसे मई से सितंबर के बीच में तैयार किया जाता है। इसके शौकीन लोग प्रति किलो 90 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक की कीमत चुका कर भी इसका स्वाद लेने से पीछे नहीं हटते। *

'कॉमेडी क्वीन' के नाम से मशहूर भारती सिंह ने अपने टैलेंट, मेहनत और लगन के बल पर टीवी इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया है। इन दिनों वह कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट हो रहे कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' होस्ट कर रही हैं। इस शो, अपनी अब तक की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बेबाक बातचीत भारती सिंह से।

मैंने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाया: भारती सिंह

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

पचासी किलो वजन और पांच फीट हाइट के साथ पंजाब से आईं गोल-मटोल भारती सिंह ने कभी भी नहीं सोचा था कि उनका हैवी वेट, जो उनकी कमजोरी है, वही उनकी ताकत बन जाएगा। अपना ही मजाक उड़ाकर सबको हंसाने वाली भारती सिंह आज, टेलीविजन इंडस्ट्री और ग्लैमर वर्ल्ड का जाना-माना नाम हैं। टीवी शोज के अलावा भारती कुछ फिल्मों में भी नजर आई हैं। इन दिनों कलर्स पर प्रसारित हो रहे शो 'लाफ्टर शेफ्स' को लेकर **भारती सिंह** चर्चा में हैं। पेश है, उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

कलर्स के कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' में आप बतौर एंकर कितना एंज्वॉय कर रही हैं? इस शो को लेकर आपके कैसे एक्सपीरियंस हैं?

बहुत ही मजेदार एक्सपीरियंस हैं। मैं यह शो बहुत एंज्वॉय कर रही हूं। एक्चुअली, इस शो में मेरे दो फेवरेट काम हैं- खाना और हंसना। मुझे लगता है, मैं बहुत लकी हूं कि मुझे अपने दोनों पसंदीदा काम करने का मौका मिल रहा है। साथ में उस काम का पैसा भी मिल रहा है।

इस शो में एंकरिंग के दौरान क्या खास सीखने को मिला?

'लाफ्टर शेफ्स' शो जज एवं कंटेस्टेंट्स के साथ भारती

इस शो में मुझे तरह-तरह की वैरायटी वाला खाना बनाने का ज्ञान प्राप्त हो रहा है। वैसे तो मुझे सिर्फ देसी खाना ज्यादा अच्छा बनाना आता है, लेकिन इस शो में मुझे कई तरह की डिशेज सीखने का मौका मिला, जैसे-नूडल्स, केक, बर्गर एक्सेक्ट्रा। हर्ष (पति) और गोला (बेटा) दोनों ही खाने के शौकीन हैं। इसलिए इस शो से सीखकर मैं अपने ही हाथ से उनको अलग-अलग वैरायटीज के पकवान बनाकर खिला पाऊंगी।

'लाफ्टर शेफ्स' शो के जज हरपाल सिंह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा। हरपालजी अच्छे शेफ होने के साथ-साथ एक अच्छे, खुश-मिजाज इंसान भी हैं। हम दोनों मिलकर कंटेस्टेंट्स की एक्टिविटीज का बहुत मजा लेते हैं। हरपालजी को कृष्णा, कश्मीरा, सुदेश की मस्तियां देखकर बहुत ज्यादा मजा आता है।

आज आपने स्टैंड-अप कॉमेडियन और एंकर के रूप में टीवी इंडस्ट्री में जो स्थान बनाया है, वह कितना ईजी और टफ रहा?

आसान पहले भी नहीं था और आसान आज भी नहीं है। जिन हालातों में मैंने अपना करियर शुरू किया था, उस दौरान मेरा लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन-सा था। एक तो मेरा वजन ज्यादा था, कद भी छोटा था और मेरे पास किसी की कोई बैकिंग भी नहीं थी। बस इतना ही था कि मुझे अपनी काबिलियत पर भरोसा था। शुरुआत में मुश्किलें तो खूब आईं, लेकिन हजार कठिनाइयों के बावजूद मैंने कभी हार नहीं मानी। मैंने अपनी ही कमजोरी को अपनी ताकत बनाया, अपने मोटापे का मजाक उड़ाकर मैंने सबको खूब हंसाया। इसीलिए आज मैं यहां हूं। मैंने जो नाम, शोहरत और पैसा कमाया है, उसको बरकरार रखने के लिए भी बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

आप टीवी पर पहले से ही बहुत व्यस्त थीं, बावजूद उसके आपने यू-ट्यूब चैनल भी शुरू किया। क्या इसके पीछे की वजह और ज्यादा पैसा कमाना है?

यू-ट्यूब से जुड़ने के पीछे एक वजह लॉक डाउन के बाद टीवी इंडस्ट्री की आर्थिक स्थिति खराब होना भी रही। पहले अपने शोज में मुझे जितने पैसे मिलते थे, आज उसके आधे मिलते हैं। मेकर्स के पास आज इतना बजट ही नहीं है कि वे हमको ज्यादा पैसे दे सकें। यू-ट्यूब चैनल में अच्छी कमाई हो जाती है। साथ ही यह अपने फैंस के साथ लगातार जुड़े रहने का एक अच्छा माध्यम भी है। यही वजह है कि हमने यू-ट्यूब पर 'भारती टीवी पॉडकास्ट', 'एल-ओ-एल (लाइफ ऑफ लिंबाचिया)' और खुद का ब्लॉग भी शुरू किया, जो बहुत ही मजेदार है।

फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों के साथ आपकी अच्छी ट्यूनिंग नजर आती है। सलमान, शाहरुख से लेकर अक्षय कुमार, रणबीर कपूर तक आप सभी हीरोज के साथ मस्ती-मजाक और फ्लर्ट करती नजर आती हैं। ऐसे में आपके पति हर्ष का क्या रिएक्शन होता है?

मैं जो भी करती हूं, उसमें हर्ष की सहमति होती है (हंसते हुए)। हर्ष पर्सनली खुद भी बहुत मस्ती-खोर है। दरअसल उसकी लिखी हुई स्क्रिप्ट पर ही मैं एक्ट करती हूं। ये एक्टर्स और हर्ष दोनों ही जानते हैं कि मेरा हीरोज के साथ रोमांस और फ्लर्ट करना सिर्फ दर्शकों के मनोरंजन के लिए होता है। इसलिए बॉलीवुड हीरोज और हर्ष दोनों ही मेरे मस्ती भरे रोमांस को एंज्वॉय करते हैं। *

मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है

भारती सिंह अपने बेटे गोला से बहुत प्यार करती हैं। ऐसी भी चर्चा है कि वे दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रही हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, पूछने पर भारती कहती हैं, 'अरे नहीं! अभी तो एक ही नहीं संभल रहा मुझसे। एक्चुअली मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है, उसको पूरा घर मिलकर भी नहीं संभाल पाता। मैं गोला से बहुत प्यार करती हूं। जब कभी शूटिंग की वजह से घर पहुंचने में लेट होता है तो मैं उससे वीडियो कॉल पर बात जरूर करती हूं। फिलहाल तो गोला के साथ ही बिजी हूं, दूसरे बच्चे के बारे में मैं नहीं सोच रही हूं। मुझे दूसरा बच्चा चाहिए, लेकिन अभी नहीं। कुछ समय बाद ही दूसरे बच्चे की प्लानिंग करूंगी।'